▪ आषाढ़ शुक्ल - 9 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 335 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 04-07-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मानसून सत्र से पहले ओम बिरला ने कहा : व्यवधान पैदा नहीं करें पार्टियां

6 स्वामी विवेकानंद : विचारों के युगदृष्टा, युवाओं के पथप्रदर्शक

फर्स्ट टेक

शिकागो में हुई गोलीबारी में कई लोग घायल : पुलिस

शिकागो/एपी। शहर में बुधवार रात को गोलीबारी हुई जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसके अनुसार, गोलीबारी के बारे में कोई अतिरिक्त विवरण, गोली लगने से घायल हुए लोगों की संख्या और सटीक स्थान की जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है। शिकागो पुलिस विभाग के अधिकारी जूलियो गार्सिया ने कहा कि इस घटना से जुड़ी अद्यतन जानकारी मिलने पर जारी जाएगी। नॉर्थवेस्टर्न मेडिसिन के प्रवक्ता क्रिस किंग ने कहा कि आपातकालीन विभाग गोलीबारी में घायल हुए लोगों का उपचार कर रहा है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कथा अनंता...

दुश्मन के तेवर हुए नर्म,
सीमा पर घट रहा है तनाव।
दहशतगर्दों के वही मगर,
मनसूबे रँग-ढँग हाव-भाव।
है यही नियति हर घटना की,
ना कोई अंतिम है पड़ाव।
पुलवामा का दिल में अब तक,
है आज तलक भी हरा घाव।।

मजबूत भारत अधिक स्थिर और समृद्ध विश्व के निर्माण में योगदान देगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अक्रा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदलती परिस्थितियों के मद्देनजर वैश्विक शासन व्यवस्था में विश्वसनीय एवं प्रभावी सुधारों पर जोर देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि एक मजबूत भारत अधिक स्थिर और समृद्ध विश्व के निर्माण में योगदान देगा।

घाना की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' को आवाज दिए बिना प्रगति संभव नहीं है।

दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत विश्व का एक मजबूत स्तंभ है। एक मजबूत भारत अधिक स्थिर और समृद्ध दुनिया के निर्माण में योगदान देगा।''

भारत के सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि स्थिर राजनीति और शासन की नींव पर भारत जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी विश्व शासन व्यवस्था तेजी से बदल रही है।

भारत, घाना ने संबंधों को समग्र साझेदारी तक बढ़ाया; रक्षा क्षेत्र में संबंधों को बढ़ाने पर विचार

अक्रा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा द्वारा रक्षा, खाद्य सुरक्षा और औषधि सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार करने का संकल्प लिए जाने के साथ भारत और घाना ने अपने संबंधों को समग्र साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया है।

बुधवार को महामा के साथ वार्ता के तुरंत बाद अपने मीडिया वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है और भारत घाना की विकास यात्रा में सिर्फ साझेदार ही नहीं, बल्कि सह-यात्री भी है।

दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक मोदी के पश्चिम अफ्रीकी देश की राजधानी पहुंचने के कुछ घंटे बाद हुई। मोदी पांच देशों की यात्रा के पहले चरण में घाना पहुंचे थे। दोनों नेताओं ने अपनी वार्ता में रक्षा सहयोग, खाद्य सुरक्षा और औषधि, विशेषकर टीकों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया।

मोदी और महामा के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने संस्कृति और पारंपरिक चिकित्सा समेत विभिन्न क्षेत्रों में चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री मोदी को घाना के राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया

अक्करा (घाना)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनकी ''प्रतिष्ठित शासनकला और प्रभावशाली वैश्विक नेतृत्व'' के लिए घाना के राष्ट्रीय सम्मान 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया। घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को यह पुरस्कार प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित होने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।''

श्री ब्यावर संघ, बैंगलोर
श्री ब्यावर संघ युवा शाखा, बैंगलोर
द्वारा आयोजित

मुख्य प्रायोजक
VAIBHAV GROUP
benevolent living

BENGALURU EXPO & TRADE SHOW 2025
5th & 6th July 2025

मुख्य अतिथि : श्री पंकजजी बालर
मुख्य स्पॉंसर
MD, वैभव ग्रुप

एक्सपो शुभारम्भ शनिवार, 5.07.2025 प्रात : 10.15

मुख्य अतिथि
श्री तेजस्वी सूर्या, सांसद - बेंगलुरु दक्षिण
श्री उदय बी गरुडाचार, विधायक - चिकपेट

उद्घाटन समारोह अतिथिगण
श्री तनसुखराजजी गुलेच्छा, सह स्पॉंसर, MD, कुशल्स फैशन ज्वैलरी
श्री गणपतराजजी छाजेड़, सह स्पॉंसर, MD, पैसोलाईट, इले. क.
श्री बाबूलालजी गांधी, सह स्पॉंसर, MD, मास्कॉट फैब्रिक्स
श्री रतनजी श्रीश्रीमाल, गिफ्ट स्पॉंसर, MD, मयन डायमंड्स

प्रायोजक: Kushal's fashion jewellery | प्रायोजक: PASOLITE | प्रायोजक: MASCOT FABRICS WHOLESALE CLOTH MERCHANTS | भेंट प्रायोजक: MAYAN DIAMONDS

श्री गौतमचंदजी सोलंकी, अध्यक्ष, श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट
श्री पारसमलजी भन्साली, अध्यक्ष, गांधीनगर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा
श्री तेजराजजी मालानी, अध्यक्ष, श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी
श्री रंजीतजी सोलंकी, चेयरमैन, जीतो साऊथ
श्री प्रकाशचंदजी बुरड़, कर्नाटक प्रान्तीय अध्यक्ष, AISS जैन कॉन्फ्रेंस
श्री विमलजी कटारिया, चेयरमैन, जीतो नॉर्थ
श्री प्रकाशचंदजी लोढ़ा, कर्नाटक आंचलीय प्रभारी, श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महासभा
श्री मुकेशकुमारजी सुराणा, अध्यक्ष, जैन युवा संगठन

शनिवार उद्घाटन सत्र में प्रातः 10.30 बजे प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भरतनाट्यम की प्रस्तुति
एक्सपो में डिज्नी वर्ल्ड के मिकी माऊस द्वारा बच्चों का मनोरंजन
रविवार शाम 4.00 बजे से नृत्य संगीत स्टेज शो
एंकरिंग बिन्दु मेहता द्वारा

LUCKY DRAW
प्रति दो घंटों में लकी ड्रा
गोल्ड डायमंड्स गिफ्ट्स
प्रतिदिन स्पेशल गोल्ड डायमंड्स लकी ड्रा

शनिवार एवं रविवार
दोपहर 2.00 बजे एवं शाम 6.00 बजे
मैजिक शो एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम
अन्तर्राष्ट्रीय जादूगर श्री उदय कुमार द्वारा

स्थल : महावीर धर्मशाला, V V Puram, Bengaluru - 04

पदमचंद बोहरा - अध्यक्ष, श्री ब्यावर संघ, बैंगलोर | अरविन्द कोठारी, महामंत्री, श्री ब्यावर संघ, बैंगलोर

आयोजन समिति: ललित डाकलिया, अध्यक्ष | विकास खटोड़, उपाध्यक्ष | कुलदीप छाजेड़, महा मंत्री | नमित कोठारी, कोषाध्यक्ष | नरेश बोहरा, सह मंत्री | भरत कोठारी, सह कोषाध्यक्ष

बिज़नेस समिति • प्रतीक गादिया • अरिहंत छाजेड़ • सुनील भंडारी • कुणाल मरलेचा

कार्यकारिणी समिति : मनीष बाफना । अल्केश हिंगड़ । लक्की बोहरा । हेमंत गुलेच्छा । विकास पारख । वर्धमान श्रीश्रीमाल । विनोद बाफना । यशवंत रांका । अंजन मेहता रोशन लोढ़ा । नितेश बोहरा । चेतन रेदासनी । सुशील बाफना । आशीष भंसाली । अमित डांगी । अमित कोठारी । अमित बोहरा । दिलीप हिंगड़ । दिनेश खींचा । जितेन्द्र खिवेंसरा । महावीर गुगलिया । मनीष मेड़तवाल । प्रवीण कक्कड़ । तरुण बोथरा । रोहित बोहरा

लेडीज विंग चन्द्रकला डाकलिया । जिया हिंगड़ । कंचन छाजेड़ । मोनिका कुमट । संगीता पारख । सीमा बोहरा

एअर इंडिया ने दिल्ली-वाशिंगटन उड़ान को विएना में रोका, वापसी की उड़ान भी रद्द की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दिल्ली से वाशिंगटन के लिए दो जुलाई को उड़ान भरने वाला एअर इंडिया का विमान विएना में ईंधन भरने के लिए निर्धारित पड़ाव के दौरान तकनीकी खराबी आने के कारण अपनी यात्रा पूरी नहीं कर सका। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

इस कारण वाशिंगटन से दिल्ली के लिए निर्धारित इसकी वापसी उड़ान भी रद्द कर दी गई।

एअर इंडिया के बयान के अनुसार, दो जुलाई को दिल्ली से वाशिंगटन डी.सी. जाने वाली उड़ान संख्या एआई103 विएना में ईंधन भरने के लिए पूर्व निर्धारित योजना के तहत रुकी। विमान की नियमित जांच के दौरान, एक विस्तारित रखरखाव कार्य की पहचान की गई, जिसे अगली उड़ान से पहले ठीक करने की आवश्यकता थी और इस प्रकार, इसे पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता थी। इसने कहा कि चूंकि विएना से वाशिंगटन की उड़ान रद्द कर दी गई थी, इसलिए फंसे हुए यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई। एयरलाइन के अनुसार, वीजा-मुक्त प्रवेश के लिए पात्र या वैध 'शेंगेन वीजा' वाले यात्रियों को अगली उपलब्ध उड़ान तक विएना में होटल में ठहराया गया है। बयान के मुताबिक, बगैर 'शेंगेन वीजा' वाले यात्रियों के लिए ऑस्ट्रियाई अधिकारियों द्वारा आव्रजन और सुरक्षा मंजूरी के साथ आवास की व्यवस्था की गई, जबकि अन्य यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ान बुक की गई। एयरलाइन ने कहा कि विएना के रास्ते वाशिंगटन-दिल्ली उड़ान संख्या एआई104 के यात्रियों को दिल्ली के लिए वैकल्पिक उड़ानों में बुकिंग या उन्हें पूर्ण धन वापसी की पेशकश की गई।

पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण, भारत से पश्चिम की ओर जाने वाली उड़ानों को लंबा रास्ता लेना पड़ रहा है, जिसके कारण उन्हें चालक दल की ड्यूटी और आराम अवधि के मानदंडों को पूरा करने के लिए विएना में रुकना पड़ रहा है।

'नौशेरा के शेर' ब्रिगेडियर उस्मान की पुण्यतिथि पर दिल्ली में सेना ने दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने 1947-48 के भारत-पाकिस्तान के युद्ध में शहीद हुए ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान की पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद ब्रिगेडियर उस्मान ने नौशेरा के भीषण युद्ध में साहस के साथ आगे बढ़कर एक प्रेरणादायी नेतृत्व किया था, जिससे स्थिति भारतीय सेना के पक्ष में हो गई थी।

उनकी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया के समीप स्थित कब्रिस्तान में स्थित उनकी कब्र पर पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। जम्मू कश्मीर में नौशेरा की लड़ाई के दौरान उनकी वीरता के कारण उन्हें 'नौशेरा का शेर' की उपाधि मिली। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं के लिए अधिकारी को मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

भारतीय सेना के 'ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स एंड स्ट्रेटेजिक मूवमेंट' महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह और पैराशूट रेजिमेंट के कर्नल ने पुष्पांजलि अर्पित की। यहां एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि युद्ध नायक को सम्मानित करने के लिए सेना प्रमुख की ओर से भी पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में कई अन्य सेवारत और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नौशेरा के शेर ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान ने तीन जुलाई 1948 को भीषण युद्ध में अग्रणी भूमिका निभाई, उनके अदम्य साहस और प्रेरणादायक नेतृत्व ने युद्ध को भारतीय सेना के पक्ष में मोड़ दिया। हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।'' सेना ने 16 मार्च 1948 के आदेश अंकित किए गए एक अभिलेखीय दस्तावेज की तस्वीर भी साझा की, जो तत्कालीन 50 (आई) पैरा ब्रिगेड के कमांडर रहे ब्रिगेडियर उस्मान द्वारा जारी किया गया था। अधिकारी ने बताया कि 1947-48 के युद्ध के दौरान जम्मू कश्मीर में झांगर और नौशेरा पर फिर से कब्ज़ा करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। बहादुर अधिकारी ने तीन जुलाई 1948 को नौशेरा में अपने प्राणों की आहूति दी।

संकट से निपटने के लिए आम किसान, पल्प कंपनियां मिलकर काम करें : आंध्र मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुप्पम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने आम किसानों और 'पल्प' (गूदा) कंपनियों से मिलकर काम करने का आग्रह किया, खासकर तब जबकि किसान एक बड़े संकट का सामना कर रहे हैं।

कुप्पम में अपने आवास पर अविभाजित चित्तूर जिले के आम किसानों और पल्प कंपनियों और प्रसंस्करण इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में नायडू ने कंपनियों को किसानों से तुरंत आम खरीदने का निर्देश दिया। नायडू ने बयान में कहा, ''सरकार पल्प उद्योग और प्रसंस्करण इकाइयों का भी समर्थन करेगी।'' उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार करेगी कि उन्हें भविष्य में इस तरह की समस्याओं का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने नायडू को बताया कि अबतक 1.12 लाख टन आम खरीदा जा चुका है, और 1.7 लाख टन और खरीदे जाने की उम्मीद है। हालांकि, किसानों ने बताया कि ऑर्डर और भंडारण स्थान की कमी के कारण पल्प (गूदा) कंपनियां आम नहीं खरीद रही हैं। बयान के अनुसार, पल्प कंपनियों और निर्यातकों ने कहा कि पाकिस्तान और कुछ अफ्रीकी देशों जैसे बाजारों में आयात शुल्क नहीं है, लेकिन यूरोपीय बाजारों में शुल्क ऊंचे बने हुए हैं। उन्होंने नायडू से इस मुद्दे को केंद्र के समक्ष उठाने और आम के गूदे पर जीएसटी को 12% से घटाकर 5% करने की मांग करने का अनुरोध किया।

जबलपुर में भौंकने से गुस्साए शख्स ने पांच पिल्लों को मार डाला, गिरफ्तार

जबलपुर/भाषा। मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में एक व्यक्ति ने भौंकने से नाराज होकर पांच पिल्लों को कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधारताल पुलिस थाने के प्रभारी पी के कुमरे ने संवाददाताओं को बताया कि राजेश दहिया को महाराजपुर इलाके में छोटे श्वानों को मारने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने पुलिस को बताया कि पिल्ले रात भर भौंकते रहते थे, जिससे पूरा इलाका परेशान रहता था। कुमरे ने कहा, ''हमें शिकायत मिली कि दहिया ने 30 जून की रात एक स्कूल के पास पांच से छह पिल्लों को लाठी डंडों से मार डाला है।'' उन्होंने कहा कुछ पशु कार्यकर्ताओं ने पुलिस के साथ इस कृत्य का एक वीडियो भी साझा किया। कुमरे ने कहा कि मृत पिल्लों में से एक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। दहिया से जब पशु कार्यकर्ताओं ने घटना के बारे में पूछा तो उन्होंने उनके साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया।

जम्मू-कश्मीर भारत की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में जम्मू-कश्मीर के निरंतर महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि चेनाब पुल, लिथियम की खोज और लैवेंडर की खेती की बैंगनी क्रांति जैसी हाल की महत्वपूर्ण परियोजनाएं क्षेत्र में युवा उद्यमियों को सशक्त बना रही हैं।

कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा, ''जम्मू-कश्मीर भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पहली सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की यात्रा में एक प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरेगा।'' उन्होंने यह टिप्पणी यहां दिल्ली के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) के अधिकारियों के लिए आयोजित एक अनौपचारिक कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने 1990 के दशक और 2000 के दशक की शुरुआत में आतंकवाद के कठिन समय को भी याद किया और अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सेवा करने वाले अधिकारियों के साहस की सराहना की।

मंत्री ने अधिकारियों को कठोर पदानुक्रम तोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया तथा बताया कि वह कई अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत संपर्क बनाए रखते हैं तथा अक्सर सीधे उनसे संपर्क करते हैं। उन्होंने कहा, ''इससे समय की बचत होती है और काम तेजी से पूरा होता है, खासकर तब जब इसका परिणाम लोगों के कल्याण को प्रभावित करता हो।'' इस मौके पर विभिन्न बैच और सेवाओं के अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर में अपनी सेवा के दिनों को याद किया।

सिंह ने अपने संबोधन में कई अधिकारियों के करियर पर प्रकाश डाला। उन्होंने 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद शुरू की गई एक अग्रणी पहल को याद किया - जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों को पिछले वर्षों में विकासात्मक प्रगति का आकलन करने और रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अपनी पहली तैनाती वाले जिलों का दोबारा दौरा करने को कहा गया था।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य सिंह ने कहा, ''इससे सार्वजनिक सेवा के प्रति निरंतरता और व्यक्तिगत जुड़ाव की भावना आई।''

कार्मिक मंत्रालय के एक बयान के अनुसार बातचीत के दौरान अधिकारियों ने खुलकर अपने अनुभव और चिंताएं साझा कीं।

मुंबई में महिला ने लगाई समुद्र में छलांग, पुलिस कांस्टेबल ने बचाई जान

मुंबई/भाषा। मुंबई में मनोवैज्ञानिक समस्याओं से जूझ रही 53 वर्षीय एक महिला ने बांद्रा बैंडस्टैंड पर अरब सागर में छलांग लगा दी, लेकिन एक सतर्क पुलिस कांस्टेबल ने पानी में गोता लगाकर उसे बचा लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार शाम करीब पांच बजे हुई।

एक अधिकारी ने बताया कि बचाए जाने के बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया, कांस्टेबल साईनाथ देवड़े गैलेक्सी अपार्टमेंट में तैनात हैं, जहां बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान रहते हैं। वह बैंडस्टैंड पर गश्त ड्यूटी पर थे। उन्होंने एक महिला को समुद्र में डूबते देखा। वह तुरंत किनारे पर पहुंचे और पानी में कूदकर उसे बचा लिया। अधिकारी ने बताया कि पानी से बाहर निकाले जाने के बाद महिला आधी बेहोशी की हालत में थी और उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, बांद्रा पश्चिम की निवासी महिला पिछले 20 वर्ष से मनोवैज्ञानिक समस्याओं का इलाज करा रही है। बैंडस्टैंड पर टहलते समय महिला डर गई क्योंकि उसे लगा कि कोई अदृश्य शक्ति उसका पीछा कर रही है और वह समुद्र में कूद गई।

'हाइड्रोपोनिक गांजा' सरकार के लिए एक चुनौती साबित हो रहा है : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'हाइड्रोपोनिक गांजा' सरकार के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर दी है। विधान परिषद में एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने 'सिंथेटिक ड्रग्स' पर भी चिंता जताई और कहा कि यहां तक कि कैंसर के मरीजों की आड़ में 'सिंथेटिक ड्रग्स' एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई के कारण मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है। फडणवीस ने कहा कि यह पाया गया कि गुजरात के बंदरगाहों और महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्थित देश के सबसे बड़े कंटेनर बंदरगाह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) का इस्तेमाल माल की खेपों में मादक पदार्थ छिपाकर लाने के लिए किया जा रहा था। उन्होंने कहा, ''गुजरात और महाराष्ट्र में ऐसे स्कैनर लगाए गए हैं जो छिपा कर लाए जा रहे मादक पदार्थों का पता लगा सकते हैं। ऐसे देशों से आने वाली खेप की औचक जांच की जा रही है, जहां से मादक पदार्थ तस्करी की आशंका है।''

चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.4 से 6.7% की दर से बढ़ेगी : मेमानी

नई दिल्ली/भाषा। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में मजबूत घरेलू मांग से 6.4-6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने बृहस्पतिवार को यह संभावना जताई। सीआईआई के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मेमानी ने अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अच्छे मानसून का अनुमान और नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) एवं रेपो दर में कटौती से बढ़ी हुई तरलता जैसे कारक देश की आर्थिक वृद्धि का समर्थन करेंगे।

पिछले महीने आरबीआई ने सीआरआर में एक प्रतिशत कटौती की घोषणा करने के साथ मानक ब्याज दर रेपो में भी 0.50 प्रतिशत की कमी कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया था। वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के बारे में सीआईआई के पूर्वानुमान पर पूछे गए सवाल पर मेमानी ने कहा, ''हमें भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.4 से 6.7% की दर से बढ़ने की उम्मीद है।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि इस वृद्धि की राह में कुछ स्पष्ट जोखिम हैं जिनमें से कुछ बाहरी व्यापार जोखिमों से संबंधित हैं। मेमानी ने कहा, ''मुझे लगता है कि उनमें से बहुत से कारकों को अपने आकलन में शामिल किया गया है और कुछ सकारात्मक पहलू भी हैं। इसलिए उम्मीद है कि वे संतुलित हो जाएंगे।

दिशा सालियान की मौत पर पुलिस के हलफनामे पर बोले आदित्य

बदनाम करने की कोशिश के बाद भी चुप रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दिशा सालियान की मौत के मामले में विरोधी दलों द्वारा निशाना बनाए गए शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने बृहस्पतिवार को पुलिस के हलफनामे पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया जिसमें युवती की मृत्यु के संबंध में किसी भी तरह की आपराधिक साजिश से इनकार किया गया है।

ठाकरे ने कहा कि वह बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद चुप रहे। हालांकि, उनके धुर विरोधी और महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि सालियान को न्याय मिलेगा क्योंकि पिक्चर अभी बाकी है। सालियान की मौत आठ जून, 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक रिहायशी इमारत की 14वीं मंजिल से गिरकर हुई थी। इसके बाद शहर की पुलिस ने दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की थी। मुंबई पुलिस ने पिछले महीने मुंबई उच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया था जिसमें कहा गया था कि सालियान ने आत्महत्या की थी और उनकी मौत के संबंध में कोई साजिश नहीं पाई गई है। उसने अपनी इच्छा से फ्लैट की खिड़की से छलांग लगा दी थी, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शव पर यौन और/या शारीरिक हमले के किसी भी संकेत का उल्लेख नहीं है।

हालांकि, उनके पिता सतीश सालियान ने इस वर्ष मार्च में उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर अपनी बेटी की मौत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने और शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। सालियान की याचिका में आरोप लगाया गया कि दिशा का बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, तथा कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाने के लिए राजनीतिक रूप से साजिश रची गई।

सेना प्रशिक्षण कमान 2030 तक 33 विशिष्ट प्रौद्योगिकियां अपनाएगी: लेफ्टिनेंट जनरल

शिमला/भाषा। आधुनिक युद्ध में नई प्रौद्योगिकियों और ड्रोन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सेना प्रशिक्षण कमान (आर्ट्रैक) के 'जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2030 तक 33 विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को अपनाया जाएगा।

इस संबंध में जारी एक बयान के अनुसार, शर्मा ने यहां आर्ट्रैक अलंकरण समारोह 2025 की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सेना कमान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को अपनाएगी और विकसित करेगी, ताकि अभियानों के दौरान तेजी से परिणाम प्राप्त करने के लिए सीखने और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में सुविधा हो।

उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में अनुसंधान एवं विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और प्रशिक्षण में 390 करोड़ रुपए की राशि निवेश करने की योजना है। शर्मा ने कहा कि यह पहल भारतीय सेना को भविष्य के दृष्टिकोण से तैयार सेना में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

विशिष्ट प्रौद्योगिकियां विशिष्ट तकनीकी समाधानों, उपकरणों या नवाचारों को संदर्भित करती हैं, जो व्यापक उद्योग के अंतर्गत विशिष्ट, प्रायः सीमित उद्देश्यों या बाजारों के लिए तैयार की जाती हैं।

शर्मा ने कहा, ''15 प्रमुख प्रशिक्षण प्रतिष्ठान 33 विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए विशेषज्ञता केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं और 2030 तक इन सभी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए एक व्यापक योजना विकसित की गई है।''

सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई 'एक्सपायरी डेट' नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की चीन से संबंधित नीति को लेकर सवाल खड़े किए और कटाक्ष किया कि इस सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई 'एक्सपायरी डेट' नहीं है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रिय नरेन्द्र मोदी जी, खबरों के मुताबिक़, चीन ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र से अपने अधिकारी वापस बुला लिए हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या ये सच नहीं कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर पूरी तरह नाकाम मोदी सरकार ने डोकलाम और गलवान भूलकर चीनी कंपनियों के लिए 'लाल कालीन' बिछाया था और चीनी नागरिकों के लिए वीजा जारी करना आसान कर दिया था, ताकि पीएलआई योजना में फ़ायदा मिले?

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, क्या यह सच नहीं है कि मोदी सरकार इस पर कोई क़दम नहीं उठा रही और चीनी अधिकारियों ने भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग तक को आधिकारिक नियुक्ति या सहमति नहीं दी है? उनके मुताबिक, चीन ने पिछले दो महीनों में भारत को 'स्पेशलिटी' उर्वरक का निर्यात बंद कर दिया है, जबकि अन्य देशों को आपूर्ति जारी रखी है।

खरगे ने सवाल किया कि क्या इससे हमारे करोड़ों किसानों को नुकसान नहीं होगा, जो पहले से ही यूरिया और डीएपी खाद के संकट से जूझ रहे हैं? उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, आपकी सरकार की 'चीनी गारंटी' की कोई 'एक्सपायरी डेट' नहीं है। खरगे ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया, आपने 5 साल पहले, गलवान के 20 वीर सेनानियों के बलिदान के बाद, चीन को क्लीन चिट थमाई थी। आज चीन उसका भरपूर फ़ायदा उठा रहा है और ऐसा लगता है कि हम हाथ मलकर देख रहें हैं।

डांट से नाराज घरेलू सहायक ने मालकिन और उसके बेटे की हत्या की

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के लाजपत नगर में डांट से नाराज एक घरेलू सहायक ने मालकिन और उसके किशोर बेटे की हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बिहार के हाजीपुर निवासी आरोपी मुकेश (24) को उत्तर प्रदेश रेलवे पुलिस ने उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह ट्रेन से भागने की कोशिश कर रहा था। यह मामला तब प्रकाश में आया जब बुधवार रात नौ बजकर 43 मिनट पर लाजपत नगर निवासी कुलदीप सेवानी की तरफ से पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) कॉल आई। पुलिस के अनुसार, सेवानी ने बताया कि उनकी पत्नी रुचिका (42) और 14 वर्षीय बेटा फोन नहीं उठा रहे हैं और उनके घर की सीढ़ियों पर खून के धब्बे हैं। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्वी) हेमंत तिवारी ने एक बयान में कहा, ''पीसीआर वाहन और जांच दल मौके पर पहुंचे जहां घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। घर की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर खून के धब्बे मिले।'' उन्होंने कहा, ''पुलिस घर का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। रुचिका और उसके बेटे के शव घर के अंदर बरामद किए गए।''

पर्यावरण और वन संरक्षण पर मोदी सरकार का रिकॉर्ड भरोसे के लायक नहीं : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार का अब तक का 'ट्रैक रिकॉर्ड' ऐसा नहीं रहा है कि उस पर पर्यावरण, वन संरक्षण और संबंधित मुद्दों पर पूरा ध्यान देने के लिए भरोसा किया जाए।

पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कई नागरिक संगठनों और कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए हालिया पत्र का उल्लेख किया। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, हाल ही में 150 नागरिक संगठनों और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर वन अधिकार अधिनियम, 2006 को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर करने में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की भूमिका पर गंभीर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा, पत्र में पांच अहम बिंदुओं को रेखांकित किया गया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा दिए गए खुद के ऐसे बयान..., जिनमें वन अधिकार अधिनियम, 2006 को देश के प्रमुख वन क्षेत्रों के क्षरण और

नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने कहा, वन अतिक्रमण को लेकर कानूनी तौर पर अपुष्ट आंकड़ों को लगातार संसद और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सामने पेश किया गया। जून, 2024 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा देशभर के टाइगर रिजर्व से लगभग 65,000 परिवारों को बेदखल करने का आदेश दिया गया। उन्होंने पत्र का हवाला देते हुए दावा किया कि भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा पिछले एक दशक में वन क्षेत्र में आई गिरावट के लिए वन अधिकार अधिनियम को गलत तरीके से जिम्मेदार ठहराया गया।

रमेश ने कहा, 2023 में बिना पर्याप्त संसदीय चर्चा के पारित किया गया वन (संरक्षण) अधिनियम संशोधन और उसके तहत लागू किए गए 'वन संरक्षण एवं संवर्धन नियम, 2023' -का प्रतिकूल असर वनों पर पड़ा है।

उनके मुताबिक, ये सभी मुद्दे विशेष रूप से आदिवासी और वन क्षेत्रों में रहने वाले अन्य समुदायों के लिए अत्यंत अहम हैं, जिनकी आजीविका जंगलों पर निर्भर है तथा ये भारत की पारिस्थितिकीय सुरक्षा के लिए भी बेहद जरूरी हैं।

रमेश ने कहा, दुर्भाग्य से मोदी सरकार का अब तक का रिकॉर्ड यह भरोसा नहीं दिलाता कि इन महत्वपूर्ण सवालों पर कोई ध्यान दिया जाएगा और न ही उन समुदायों से संवाद किया जाएगा जिन्हें इन नीतियों के कारण सीधे नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कांग्रेस ने देश और राज्य में एक अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव रखी : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस सरकार लोगों की आंखों और दृष्टि संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए आशा किरण योजना के माध्यम से 'विजन गारंटी' प्रदान कर रही है। उन्होंने गुरुवार को गोविंदराजनगर के एम.सी. लेआउट स्थित परमपूज्य डॉ. बालगंगाधरन स्वामीजी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल में 'आशा किरण दृष्टि केंद्र' का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। साथ ही, उन्होंने योजना से लाभान्वित लोगों को मुफ्त चश्मे भी वितरित किए।

उन्होंने कहा, राज्य भर में 393 स्थानों पर आशाकिरण विजन सेंटर का उद्घाटन किया जा रहा है। चश्मे मुफ्त दिए जा रहे हैं। इससे लोगों को चश्मे सहित इलाज पर हजारों रुपये की बचत होगी। दिनेश गुंडू राव के नेतृत्व में वे स्वास्थ्य विभाग की कमान संभालने के बाद क्रांतिकारी और बेहतरीन कार्यक्रम दे रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने पिछले दिनों से देश और राज्य में अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव रखी है। कर्नाटक में 70 मेडिकल कॉलेज हैं। सबसे ज्यादा डॉक्टर तैयार करने वालों की सूची में कर्नाटक का नाम है। यहां से पढ़कर निकले लोग विदेश जाकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एसएम कृष्णा के समय में हमारी सरकार ने 'यशस्विनी' योजना के जरिए किसानों और गरीबों के स्वास्थ्य की मिसाल कायम की। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य योजनाएं शुरू कीं।

हमारी सरकार गारंटी वाली सरकार है जो अपने वादे पर खरी उतर रही है। सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर हमने पांच गारंटी के साथ-साथ अपने लोगों को जमीन की गारंटी भी दी है।

गोविंदराजनगर विधानसभा क्षेत्र में बीबीएमपी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल को नया रूप देने के लिए विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रियकृष्णा सरकार पर दबाव बनाने का काम कर रहे हैं। इस अस्पताल में विभिन्न विभाग खोले जा रहे हैं और जनसेवा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा, वे बाजार दर का केवल 257 शुल्क ले रहे हैं। एमआरआई, सीटी स्कैन सेवा प्रदान करने की भी योजना है।

उन्होंने कहा कि राज्य की आबादी 7 करोड़ है। राज्य भर में 2421 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र काम कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य की राजधानी ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के माध्यम से इसे प्राथमिकता दी जाएगी। बेंगलूरु आयुर्वेदिक अस्पताल को नया रूप देने के लिए मंत्री से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा, कोरोना के बाद लोग स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग इसके समर्थन में काम कर रहा है। डॉक्टरों को सरकार की अच्छी योजनाओं के बारे में लोगों को बताना चाहिए। हमारे सिद्धांतों और विचारों का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

आईएमडी ने कर्नाटक में एक सप्ताह तक भारी बारिश का अनुमान जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले सात दिनों में कर्नाटक में व्यापक पैमाने पर वर्षा होने का अनुमान जताया है और कई जिलों में भारी से ''बहुत भारी वर्षा'' तथा कुछ स्थानों पर ''अत्यधिक भारी वर्षा'' होने की संभावना जतायी है। आईएमडी ने एक बयान में कहा कि मौसम का यह रुख मध्य और पूर्वी भारत से गुजर रही मानसून ट्रफ और महाराष्ट्र-कर्नाटक तट पर अपतटीय ट्रफ से प्रभावित हो रहा है। 'मानसून ट्रफ' उत्तर-पश्चिम भारत से बंगाल की खाड़ी तक फैला एक निम्न दबाव क्षेत्र है।

दैनिक मौसम रिपोर्ट के अनुसार, बृहस्पतिवार को दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़ और उडुप्पी के तटीय जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ भारी से ''बहुत भारी बारिश'' होने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर ''अत्यधिक भारी बारिश'' हो सकती है। बयान में कहा गया है कि अगले दो दिनों तक तट पर ऐसी ही स्थिति बनी रहने की उम्मीद है और उसके बाद धीरे-धीरे इसकी तीव्रता कम हो जाएगी। हालांकि, हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। उत्तरी कर्नाटक के अंदरुनी क्षेत्रों में बेलगावी जिले में तीन और चार जुलाई को 40-50 किमी प्रति घंटे की गति की हवा चलने के साथ भारी से ''बहुत भारी बारिश'' होने की संभावना है।

धारवाड़ में भी ''भारी वर्षा'' होने की संभावना है। पूर्वानुमान अवधि के दौरान बीदर, बागलकोट, गदग, हावेरी, कलबुर्गी, कोप्पल, रायचूर, विजयपुरा और यादगीर में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। दक्षिणी कर्नाटक के अंदरुनी हिस्सों में, तीन और चार जुलाई को चिकमगलुरु, हासन, शिवमोग्गा और कोडागु में भारी से ''बहुत भारी वर्षा'' होने की संभावना है, जबकि तीन जुलाई को कुछ स्थानों पर ''अत्यधिक भारी वर्षा'' का अनुमान है। बल्लारी, बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, चामराजनगर, चिक्कबल्लापुरा, चित्रदुर्गा, दावणगेरे, कोलार, मंड्या, मैसूर, रामनगर, तुमकुरु और विजयनगर सहित अन्य जिलों में अधिकांश दिनों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ ''हल्की से मध्यम बारिश'' होने की संभावना है। सात जुलाई से राज्य के अधिकांश हिस्सों में वर्षा की तीव्रता कम होने की उम्मीद है। हालांकि, कई जिलों में तेज हवाओं के साथ ''हल्की से मध्यम बारिश'' कम से कम नौ जुलाई तक जारी रह सकती है। बेंगलूरु और आसपास के क्षेत्रों में अगले 48 घंटों में आमतौर पर बादल छाए रहने तथा हल्की से मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान है। बेंगलुरु स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने निवासियों, खासकर बाढ़ और भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में रहने वालों को सतर्क रहने और स्थानीय परामर्शों का पालन करने की सलाह दी है। बेंगलूरु स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के प्रमुख एन पुवियारसन ने कहा कि विभाग स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और नियमित अपडेट जारी करेगा।

मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है, सिद्दरामय्या के बयान में क्या गलत है? : डीके सुरेश

अभी भी विश्वास है कि डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सिद्दरामय्या के इस बयान में क्या गलत है कि मुख्यमंत्री पद फिलहाल खाली नहीं है, इसलिए मैं पांच साल तक मुख्यमंत्री रहूंगा? डी.के. शिवकुमार पार्टी के अनुशासित सिपाही के रूप में हाईकमान के वचन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, बामुल अध्यक्ष डी.के. सुरेश ने गुरुवार को अपने सदाशिवनगर निवास पर मीडिया से बात की। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की मांग के बीच सिद्दरामय्या के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि वे पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे, उन्होंने कहा, उन्होंने जो कहा, उसमें गलत क्या है। अगर मुख्यमंत्री कहते हैं कि वे बने रहेंगे, तो इसमें गलत क्या है? कांग्रेस पार्टी के नेताओं, विधायक दल और हाईकमान ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया है। वे सरकार चला रहे हैं। इस समय क्या चर्चा है?

जब उनसे शिवकुमार के इस बयान के बारे में पूछा गया कि मेरे सामने उनके पास कोई विकल्प नहीं था और वे सिद्दरामय्या के पीछे खड़े रहेंगे, तो उन्होंने कहा, वे शुरू से यही बात कहते आ रहे हैं और उन्होंने अब भी यही बात कही है। उन्होंने पहले भी कहा था कि वे कांग्रेस पार्टी के अनुशासित सिपाही हैं और पार्टी के फैसले के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अब भी यही कहा है। वे भविष्य में भी यही कहेंगे। पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष होने के नाते हाईकमान के फैसले का पालन करना और अनुशासन बनाए रखना उनका कर्तव्य है। इसलिए उन्होंने कुछ बातें स्पष्ट रूप से कही हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जताई है, तो उन्होंने कहा, वो उम्मीद आज भी है और कल भी रहेगी। विश्वास ही हमें जीने की प्रेरणा देता है। विश्वास के बिना जीना मुश्किल हो जाता है। मेरी अभी भी वो इच्छा है। उन्होंने पार्टी के लिए बहुत निष्ठा से काम किया है।

लोगों के एक वर्ग ने विश्वास किया है और कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया है ताकि शिवकुमार को मौका मिले। लेकिन अब मुख्यमंत्री की सीट खाली नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या शिवकुमार की मेहनत का फल मिलेगा, तो उन्होंने कहा, ज़रूर, एक दिन तो फल मिलना ही चाहिए, मिलेगा। मैं अभी बहुत छोटा हूँ, इसलिए तय नहीं कर सकता कि वो मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं। इस मामले को ऊपर के लोगों को तय करना चाहिए। अभी के लिए, सिद्दरामय्या हमारे मुख्यमंत्री हैं। इस मामले में कोई दूसरा शब्द नहीं है।

कार्यकाल पूरा करने को लेकर सिद्दरामय्या का बार-बार दावा कांग्रेस आलाकमान का सीधा अपमान : अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा नेता आर. अशोक ने बृहस्पतिवार को कहा कि कथित सत्ता-साझाकरण समझौते के बावजूद मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा कार्यकाल पूरा करने के बारे में बार-बार दावा किया जाना कांग्रेस आलाकमान का सीधे तौर पर अपमान है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि जब एक मौजूदा मुख्यमंत्री अपने स्थायी होने पर बार-बार जोर देता है और सुविधाजनक रूप से पार्टी की आंतरिक प्रतिबद्धताओं की अनदेखी करता है, तो यह विश्वास नहीं, बल्कि अवज्ञा है। इस वर्ष के अंत में सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा था कि वह पूरे पांच साल तक पद पर बने रहेंगे।

अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, (कांग्रेस) आलाकमान की इच्छा' का क्या हुआ? क्या कर्नाटक में उसका प्रभाव नाममात्र का रह गया है? या सिद्दरामय्या ने पार्टी अनुशासन से स्वतंत्रता की घोषणा कर दी है? उन्होंने कहा, 'सत्ता साझा करने के समझौते को दरकिनार कर और साथ में यह कहकर कि इसमें संदेह क्यों होना चाहिए', मुख्यमंत्री न सिर्फ कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की भूमिका को कमजोर कर रहे हैं, बल्कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की राजनीतिक साख को भी सार्वजनिक रूप से ठेस पहुंचा रहे हैं। खरगे ने सोमवार को कहा था कि नेतृत्व परिवर्तन जैसे मामलों पर निर्णय लेना पार्टी आलाकमान पर निर्भर है।

अशोक ने कहा कि यदि कांग्रेस आलाकमान के पास कोई वास्तविक नियंत्रण होता तो वह अपने ही मुख्यमंत्री को आंतरिक व्यवस्था का इतनी बेशर्मी से उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देता। उन्होंने कहा कि लेकिन फिर, हो सकता है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री की कुर्सी का फैसला नेतृत्व और वफादारी से नहीं बल्कि लॉटरी और भाग्य से होता हो।

जाति जनगणना के दौरान कर्तव्यों में लापरवाही बरतने पर बेंगलूरु में तीन अधिकारी निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु नगर निकाय में कार्यरत तीन अधिकारियों को अनुसूचित जाति (एससी) के लिए जाति जनगणना करते समय कर्तव्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि अगर लोगों को डर है कि सर्वेक्षण ठीक से नहीं हो रहा है, तो वे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, क्या ऑनलाइन आवेदन करने में कोई दिक्कत है? हम गणना ऑनलाइन करेंगे या घर-घर जाकर या शिविरों में करेंगे। आपको बस तीनों में से किसी भी माध्यम का इस्तेमाल करके अपनी जाति बतानी होगी। यह केवल अनुसूचित जाति से संबंधित है। जानकारी के मुताबिक, जिन तीन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, उनमें रमेश, पेद्दाराजू और सी सेंथिल कुमार शामिल हैं, जो बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के राजस्व प्रभाग में कार्यरत हैं।

बीबीएमपी के क्षेत्रीय आयुक्त (पूर्वी जोन) स्नेहल आर की ओर से दो जुलाई को जारी निलंबन आदेश के अनुसार, राजस्व निरीक्षक रमेश और कर संग्रहकर्ता पेद्दाराजू को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि उनके अधीन काम करने वाले गणना कर्मचारी घर के निवासियों से संपर्क करने और यह पुष्टि करने के बाद घरों पर स्टिकर चिपकाएं कि सर्वेक्षण पूरा हो गया है। इस आदेश की प्रति बृहस्पतिवार को मीडिया के साथ साझा की गई।

आदेश में कहा गया है कि प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें मोबाइल एप्लीकेशन के जरिये डेटा अपलोड करना था, लेकिन यह पाया गया कि घर-घर जाकर स्टिकर चिपकाने के काम में शामिल गणनाकार और कर्मचारी एचआरबीआर लेआउट में संबंधित घरों के मालिकों और निवासियों से संपर्क किए बिना मनमाने ढंग से स्टिकर चिपका रहे थे। आदेश के मुताबिक, यह भी पाया गया कि अधिकारी इस बात पर ध्यान देने में नाकाम रहे और उन्होंने गैर-जिम्मेदाराना एवं लापरवाह रवैया दिखाया। आदेश में कहा गया है कि चूंकि, अधिकारियों की ओर से कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरती गई, इसलिए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। एक अन्य आदेश के अनुसार, इसी तरह राजराजेश्वरी बीबीएमपी जोन में कार्यरत कर संग्रहकर्ता सेंथिल कुमार ने भी लापरवाही से काम किया, जिसके बाद उन्हें भी निलंबित करने का फैसला लिया गया है।

धरना

कर्नाटक रक्षण वेदिके के सदस्य गुरुवार को बेंगलूरु में राज्य कांग्रेस सरकार से द्विभाषी शिक्षा नीति लागू करने की मांग करते हुए फ्रीडम पार्क में धरना देते हुए।

कर्नाटक आईएएस अधिकारी संघ ने भाजपा एमएलसी रविकुमार पर कार्रवाई की मांग की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक आईएएस अधिकारी संघ ने भाजपा एमएलसी और परिषद में विपक्ष के सचेतक एन रविकुमार द्वारा सरकार के मुख्य सचिव के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। मुख्य सचिव कर्नाटक में सर्वोच्च नागरिक पद पर हैं और अपनी ईमानदारी, प्रतिबद्धता और विशिष्ट सार्वजनिक सेवा के लिए जानी जाने वाली एक व्यापक रूप से सम्मानित अधिकारी हैं। सार्वजनिक रूप से की गई टिप्पणियां न केवल अश्लील और अपमानजनक हैं, बल्कि वे सीधे तौर पर उनके कार्यालय और बड़ी सिविल सेवा की गरिमा को भी कम करती हैं। आईएएस अधिकारियों के संघों ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां न केवल सार्वजनिक संस्थानों को बदनाम करती हैं बल्कि उनमें मौजूद विश्वास को भी खत्म करती हैं। गौरव गुप्ता, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ऊर्जा विभाग, जल संसाधन; पंकज कुमार पांडे, आईएएस, प्रबंध निदेशक, केपीटीसीएल; खुशबू गोयल चौधरी आईएएस, एमडी केएसएसआईडीसी; और कावेरी बी.बी., आईएएस, सचिव, सरकार ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात की और आईएएस अधिकारी संघ की ओर से निंदा पत्र सौंपा। पांच सप्ताह पहले, एमएलसी रवि कुमार ने गुलबर्गा में कलबुर्गी डीसी फौजिया तरन्नुम के खिलाफ इसी तरह के बयान दिए थे, जिसमें उनकी राष्ट्रीयता पर सवाल उठाया गया था।

सुधारात्मक कार्रवाई के लिए हमारी पूर्व अपील के बावजूद, इस तरह के व्यवहार की पुनरावृत्ति सार्वजनिक सेवा अधिकारियों को निशाना बनाने और बदनाम करने के एक परेशान करने वाले पैटर्न को दर्शाती है। आईएएस एसोसिएशन दोनों अधिकारियों के साथ अपनी मजबूत एकजुटता व्यक्त करता है। यह कर्नाटक राज्य की सेवा करने वाले समर्पित अधिकारियों की विश्वसनीयता को कम करने के बार-बार प्रयासों पर अपनी चिंता दोहराता है। एसोसिएशन सरकार से सुधारात्मक उपाय करने का आग्रह करते हुए भाजपा एमएलसी रवि कुमार से सार्वजनिक और बिना शर्त माफ़ी की मांग की है।

कोविड रोधी टीकों पर मुख्यमंत्री की टिप्पणी तथ्यात्मक रूप से गलत : बायोकॉन प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की उस टिप्पणी का विरोध किया जिसमें उन्होंने कहा था कि कोविड-19 रोधी टीके राज्य के हासन जिले में दिल के दौरे से हुई मौतों का कारण हो सकते हैं। शॉ ने कहा कि इस तरह की बातें ''तथ्यात्मक रूप से गलत'' हैं। सिद्दरामय्या ने कहा है कि हासन जिले में हाल ही में दिल के दौरे से हुई मौत कोविड रोधी टीकाकरण अभियान से जुड़ी हो सकती हैं। उन्होंने यह भी दावा किया था कि टीकों को ''जल्दबाजी'' में मंजूरी दी गई थी। शॉ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भारत में विकसित कोविड-19 टीकों को सुरक्षा और प्रभावकारिता के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप कठोर प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण ढांचे के तहत मंजूरी दी गई थी। यह कहना तथ्यात्मक रूप से गलत है कि इन टीकों को जल्दबाजी में मंजूरी दी गई थी और इससे जनता के बीच गलत सूचना फैलती है।

फार्मा कंपनी की कार्यकारी अध्यक्ष शॉ ने कहा, ''इन टीकों ने लाखों लोगों की जान बचाई है और सभी टीकों की तरह, बहुत कम लोगों में इसके दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इनके विकास के पीछे विज्ञान और डेटा-संचालित प्रक्रियाओं को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है, न कि दोषारोपण करना।'' मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा था कि पिछले महीने हासन जिले में दिल का दौरा पड़ने से 20 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने 'जयदेव इंस्टिट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च' के निदेशक डॉ. रवींद्रनाथ की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति के गठन की घोषणा की, जो मौतों के मामलों की जांच करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य भर में युवाओं में अचानक होने वाली मौतों का अध्ययन करने और यह पता लगाने के लिए कि क्या कोविड-19 टीकों का कोई प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है, फरवरी में भी इसी तरह का निर्देश जारी किया गया था। सिद्दरामय्या ने कहा था, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कोविड रोधी टीकों को जल्दबाजी में मंजूरी देना और जनता को वितरित करना भी इन मौतों का एक कारण हो सकता है, क्योंकि हाल ही में दुनिया भर में कई अध्ययनों में संकेत मिला है कि कोविड टीके दिल के दौरे की बढ़ती संख्या का कारण हो सकते हैं।'' बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुख्यमंत्री के बयान को खारिज करते हुए कहा था कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईमुख्यमंत्रीआर) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के व्यापक अध्ययनों में निर्णायक रूप से साबित हुआ है कि कोरोना वायरस रोधी टीकों और अचानक होने वाली मौतों के बीच कोई संबंध नहीं है।

इसने कहा कि आईमुख्यमंत्रीआर और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत में कोविड-19 रोधी टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं तथा इनमें गंभीर दुष्प्रभावों के मामले अत्यंत दुर्लभ हैं।

बैठक

गुरुवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री आवास 'कावेरी पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने देवनहल्ली चन्नरायपटना के किसानों के संघर्ष और मांगों को लेकर एक लंबी बैठक की। बैठक में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कानून मंत्री एच.के. पाटिल, खाद्य मंत्री केएच मुनियप्पा, उद्योग मंत्री एमबी पाटिल, राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा और सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश के साथ पांच विभागों के शीर्ष अधिकारी मौजूद थे।

मंगलूरु के 32 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर का दिल का दौरा पड़ने से निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक में अड्यार के कन्नूर स्थित गनादबेट्टू के मूल निवासी मुहम्मद हाशीर (32) का बुधवार सुबह केरल के वायनाड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि हाशीर वायनाड में इंफोसिस कंपनी में कार्यरत थे। सूत्रों ने बताया कि वह मंगलूरु के प्रसिद्ध प्रकाश बीड़ी' के व्यवसायी जी बी हसनब्बा (जी बी बावा) के बड़े बेटे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि आखिर किन परिस्थितियों में उनको दिल का दौरा पड़ा। हाशीर के परिवार में उनकी पत्नी, एक साल की बेटी और माता-पिता हैं।

एन रविकुमार का स्पष्टीकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन रविकुमार ने एक व्यक्तव्य में कहा कि मैंने सरकार के मुख्य सचिव के विरुद्ध कोई अपमानजनक बयान नहीं दिया है। मैं इस बात से स्तब्ध हूं कि कुछ विज़ुअल, प्रिंट और सोशल मीडिया पर यह विचार फैलाया जा रहा है कि मैंने मुख्य सचिव के विरुद्ध अपमानजनक शब्द कहे हैं। मैं पिछले तीन दिनों से आधिकारिक कार्य से हैदराबाद में था।

मेरे बारे में प्रसारित की जा रही रिपोर्ट पूरी तरह से निराधार, भ्रामक, दुर्भावनापूर्ण और मानहानिकारक है। मैंने मुख्य सचिव के खिलाफ किसी भी तरह की अपमानजनक बात नहीं कही है, सिवाय इसके कि मुख्य सचिव सरकारी काम में व्यस्त हैं। मैं इस आरोप का पूरी तरह खंडन करता हूं।

हमने डेढ़ साल में किए पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल से ज्यादा काम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा उनके इसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा व मजदूर इन चार जातियों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम कर रही है, जिससे विकास का उजियारा हर वर्ग तक पहुंचे।

शर्मा गुरूवार को सवाई माधोपुर में बालेर (खंडार) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जहां बाघों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, वहीं रणथंभौर का किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। सवाई माधोपुर के अमरूदों की अपनी विशेष पहचान है।

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान का उद्देश्य है कि प्रशासन और जनता के बीच कोई खाई नहीं हो तथा कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से छूट ना जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में इन शिविरों से आमजन के भूमि संबंधी विवादों का समाधान, नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण, मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण, मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, गरीब परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं तथा एनएफएसए सहित कई लंबित प्रकरणों का निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमा ज्ञान के 410, रास्तों के 228, आपसी सहमति से बंटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण कर स्वामित्व के 689 कार्ड वितरित, 33 हजार 414 पौधों के वितरण सहित विभिन्न जनहित के कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कृत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, नर्मदा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, वहीं प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। हम युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत्संकल्पित हैं तथा 5 साल में 4 लाख सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में प्रदेश में जो काम हुए, वो पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमने डेढ़ वर्ष में ही खेतों में 253.3 लाख मीटर की तारबंदी की, वहीं गत सरकार के 5 वर्षों में 113 लाख मीटर की तारबंदी ही की गई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 29 हजार 343 हेक्टेयर की भूमि आवंटित की, जबकि गत सरकार में यह आंकड़ा 22 हजार 597 हेक्टेयर ही रहा। हमने डेढ़ साल में कुसुम-ए के तहत 646 तथा कुसुम-सी के तहत 2 हजार 91 एलओए किए, जबकि गत सरकार ने इनके तहत 489 तथा 57 एलओए ही किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में ही 32 हजार से अधिक किसानों को फार्म पौण्ड योजना के अंतर्गत अनुदान मिला, जबकि गत सरकार के समय यह आंकड़ा 29 हजार 430 ही था। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि हमारी सरकार राज्य के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विकास एवं उन्नयन के लिए काम कर रही है। खंडार विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए 350 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के शिवाड़ और बहरावण्डा खुर्द में 132 केवी जीएसएस की स्थापना, विभिन्न सड़कों का चौड़ाईकरण तथा बनास नदी रपट निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। खंडार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, राम जल सेतु परियोजना के तहत एनीकट निर्माण, पांचोलास से फलौदी सड़क मार्ग तथा आरसीसी कल्वर्ट ऑन कल्याणपुरा नाला विद अप्रोच सीसी रोड सहित विभिन्न निर्माण कार्य भी करवाए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ रुपये की लागत से बालेर-करणपुर सड़क का निर्माण कराने की भी घोषणा की। इस दौरान मुख्यंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी प्रवीण बैरवा , श्रीमती सरोज , श्रीमती सम्पत्ति देवी , रामवीर मीना (स्वामित्व पट्टा) तथा श्रीमती मीना देवी (पीएम आवास योजना) को प्रमाणपत्र एवं चैक वितरित किए।

अजमेर में रामसेतु ब्रिज पर सड़क का एक हिस्सा धंसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में रामसेतु ब्रिज पर गुरुवार सुबह सड़क धंस जाने का मामला सामने आया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसकी सूचना पाकर निगम और यातायात पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और सड़क धंसने से बने गडढे को मिट्टी के कट्टों से ढक दिया गया । रामसेतु पर सड़क का एक हिस्सा धंसने के इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जांच के निर्देश दिए हैं।

देवनानी ने जिला कलक्टर लोक बन्धु से इस मामले में बात की और घटना की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जांच कमेटी बना कर इस मामले की जांच की जाये और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो। उन्होंने कहा कि कमेटी जांच कर निर्धारित अवधि में अपनी रिपोर्ट दे।

पुलिस ने विदेशी महिला से दुष्कर्म मामले में आरोप पत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर में फ्रांस की एक पर्यटक के साथ कथित दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उदयपुर के जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि बुधवार को घटना के ठीक सात दिन के भीतर अदालत में आरोप पत्र पेश कर दिया गया है। गोयल ने एक बयान में बताया कि पुलिस स्थानीय अदालत में इस मामले की सुनवाई को अति शीघ्र पूर्ण कराने का प्रयास करेगी ताकि अभियुक्त को न्यायिक प्रक्रिया के तहत जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके।

उल्लेखनीय है कि 23 जून को एक फ्रांसीसी महिला ने बड़गांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें उसने पुष्पराज ओझा उर्फ सिद्धार्थ नामक व्यक्ति पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी और आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29) को गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ के बाद उसे अदालत में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गहलोत ने कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कानून व्यवस्था को लेकर बुधवार को राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री को कोरी बयानबाजी करने के बजाय कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने पर ध्यान देना चाहिए। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मंगलवार को दिनदहाड़े एक महिला की तलवार से वार कर निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना की खबर साझा करते हुए गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,'बांसवाड़ा की यह खबर राजस्थान की कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था दोनों की पोल खोलने के लिए काफी है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ आरोपी जेल से जमानत पर बाहर आकर पुनः खुले आम शिक्षिका की तलवार से हत्या कर देता है क्योंकि उसके मन में पुलिस का कोई खौफ नहीं है और लगभग 24 घंटे बीत जाने के बाद भी हमलावर पुलिस की पहुंच से बाहर है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरी तरफ घायल महिला को लेने एंबुलेंस इसलिए नहीं पहुंच सकी क्योंकि डीजल नहीं था और यदि एंबुलेंस समय पर पहुंच जाती तो शायद पीड़िता की जान बच जाती। गहलोत ने लिखा, मुख्यमंत्री जी, ये डेढ़ साल और पांच साल की कोरी बयानबाजी करने के बजाय आप कानून एवं चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने पर ध्यान दें जिससे निर्दोष लोगों की ऐसे जान न जाए।

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मुद्दे को लेकर 'एक्स' पर लिखा, प्रदेश में लगातार जिस प्रकार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं, उससे साफ है कि भाजपा राज में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, शासन मूकदर्शक बना बैठा है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

राजस्थान में कई जगहों पर मूसलाधार बारिश से हुआ जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बारिश का दूसरा दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में कई जगहों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी में सबसे अधिक 320 मिलीमीटर बारिश हुई। लगातार और भारी बारिश से कई जगह जनजीवन प्रभावित हुआ है। विभाग के अनुसार बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में राजस्थान के लगभग सभी हिस्सों में बारिश हुई। कई जगह भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने बताया कि भीलवाड़ा में 20 सेंटीमीटर, चित्तौड़गढ़ के गंगरार में 16 सेंटीमीटर, अजमेर के जवाजा में 13 सेंटीमीटर, प्रतापगढ़ के अरनोद में 12 सेंटीमीटर, बांसवाड़ा के घाटोल में 10 सेंटीमीटर, कोटा में सात सेंटीमीटर बारिश हुई।

इसके अलावा डूंगरपुर, झालावाड़, राजसमंद, सवाई माधोपुर जिले में कई जगह पांच सेंटीमीटर से अधिक बारिश हुई। लगातार भारी बारिश से पूर्वी राजस्थान में कई जगह शहरों-कस्बों में निचले स्थानों पर जलभराव देखने को मिला जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार पूर्वी राजस्थान के अधिकांश भागों में हल्की से मध्यम बारिश व कहीं-कहीं भारी बारिश का दौर अभी सप्ताहभर जारी रहने की संभावना है। वहीं पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दो-तीन दिन हल्की से मध्यम बारिश दर्ज होने, एक दो स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।

सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में पूरे मनोयोग से हो रहे प्रयास : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में पूरे मनोयोग से प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सहकारी आन्दोलन को गांव-गांव तक पहुंचाने के साथ ही सहकारिता के क्षेत्र में विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं, जिनसे बड़े स्तर पर आमजन लाभान्वित हो रहे हैं।

दक ने नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित राज्यों के सहकारिता मंत्रियों की राष्ट्रीय कार्यशाला में राज्य में सहकारिता क्षेत्र में हो रहे कार्यों एवं नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सहकारिता में सहकार के अंतर्गत राज्य में आगामी दिनों में केन्द्रीय सहकारी बैंकों की सेवाओं का शाखाओं के माध्यम से विस्तार किया जाएगा। 'म्हारो बैंक, म्हारो खातो' कार्यक्रम के तहत सहकारी बैंकों में सघन अभियान चलाकर डेयरी समितियों के खाते खोले जा रहे हैं। शीर्ष बैंक एवं जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों में अब तक 12 हजार 241 नये खाते खोले गए हैं, जिनमें 305 करोड़ की राशि जमा हुई है। अब तक 1,872 डेयरी समितियों को बैंक मित्र नियुक्त किया जा चुका है, जिन्हें निशुल्क माइक्रो एटीएम वितरित किए जाएंगे।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि राज्य में शेष रही प्रत्येक ग्राम पंचायत में बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन किया जा रहा है। इसके लिए प्रावधानों में शिथिलता दी गई है। उन्होंने कहा कि गुजरात में सहकारिता क्षेत्र का प्रथम त्रिभुवन विश्वविद्यालय खुलने का लाभ राजस्थान को भी प्रत्यक्ष रूप से होगा। राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) सहित अन्य संस्थाओं के इससे सम्बद्ध होने से, राज्य में सहकारिता क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी।

दक ने बताया कि राज्य में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत प्रदेश भर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, सहकार से समृद्धि की पहलों को क्रियान्वित करने में भी राजस्थान अग्रिम पंक्ति में हैं।

सप्त शक्ति कमान के कमांडर ने तनोट ब्रिगेड का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सप्त शक्ति कमान के सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बृहस्पतिवार को सेना की तनोट ब्रिगेड एवं 'रसेल वाइपर्स' का दौरा किया। इस अवसर पर उन्हें संचालित विभिन्न ऑपरेशनल, प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक पहलों की जानकारी दी गई। सप्त शक्ति कमान को दक्षिण पश्चिमी कमान भी कहते हैं। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान सैन्य कमांडर ने सभी रैंकों द्वारा प्रदर्शित उच्चतम स्तर की पेशेवर दक्षता, समर्पण एवं संचालन तत्परता की सराहना की।

अपने इस दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने ब्रिगेड द्वारा उठाए गए भविष्योन्मुखी नवाचार प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया जिनमें ड्रोन बुनियादी ढांचे का विकास, तकनीकी समावेशन के उपाय तथा एकीकृत स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना शामिल है।

इन पहलों ने परिचालनगत क्षमताओं के साथ-साथ सैनिक कल्याण को भी सशक्त किया है। इसके अनुसार सैन्य कमांडर ने सभी रैंकों के साथ बातचीत करते हुए उन्हें बदलती युद्ध प्रणाली के अनुरूप सदैव तैयार रहने हेतु प्रेरित किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी रैंक अपने प्रशिक्षण मानकों की नियमित समीक्षा करें तथा युद्ध अभ्यासों, प्रौद्योगिकी, प्रक्रियाओं और अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी दक्षता में निरंतर सुधार लाएं।

नेहरू सहकार भवन में लगी 'सहकारिता का सफर : अतीत से वर्तमान तक' विषय पर प्रदर्शनी का शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने गुरूवार को नेहरू सहकार भवन में 'सहकारिता का सफर: अतीत से वर्तमान तक' विषय पर आयोजित प्रदर्शनी का फीता काटकर एवं गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रदर्शित की गई जानकारी की सराहना की।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस (5 जुलाई) एवं सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के चतुर्थ स्थापना दिवस (6 जुलाई) के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही गतिविधियों की श्रंखला में प्रचार अनुभाग द्वारा यह प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी में सहकारी आन्दोलन के अब तक के सफर को आकर्षक रुप में विस्तार से प्रदर्शित किया गया है। प्राचीन भारतीय लोकाचार में सहकारिता के बीज, विश्व में सहकारी आन्दोलन का शुभारम्भ, भारत में सहकारी आन्दोलन का शुभारम्भ, राजस्थान में सहकारी आन्दोलन का शुभारम्भ, राजस्थान में सहकारी विधि का विकास, राज्य में सहकारिता की त्रिस्तरीय संरचना, राज्य में शीर्ष सहकारी संस्थाओं का इतिहास एवं वर्तमान स्वरुप आदि से सम्बन्धित जानकारियों के साथ ही सहकारिता के सिद्धांत एवं उद्देश्य, सहकार से समृद्धि के अंतर्गत राज्य की प्रमुख उपलब्धियां, राज्य में सहकारिता का वर्तमान परिदृश्य एवं वर्तमान में सहकारिता की प्रासंगिकता आदि से संबंधित जानकारियां प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई हैं। वहीं, राज्य में सहकारी आन्दोलन के विकास के जुड़े पुराने छायाचित्रों को भी प्रदर्शनी में आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी में विभिन्न सहकारी संस्थाओं कॉनफेड, ट्राइफेड, इफको, कृभको एवं तिलम संघ द्वारा भी स्टॉल्स लगाकर अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। श्रीमती राजपाल ने इन स्टॉल्स का अवलोकन कर प्रदर्शित उत्पादों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संदेश दिया। इस दौरान सहकारिता विभाग एवं सहकारी संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन

जयपुर/दक्षिण भारत। प्रदेश में वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देशव्यापी अभियान का सञ्चालन किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर तक बैंकिंग, बीमा एवं पेंशन जैसी जरुरी वित्तीय सेवाओं को आमजन की पहुँच तक सुलभ किया जा सकेगा।

इस सम्बन्ध में शुक्रवार को शासन सचिवालय में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कुमार ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के समन्वय से ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय समावेशन योजनाओं से अधिक से अधिक संख्या में पात्र व्यक्तियों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा की अभियान के तहत संचालित शिविरों के माध्यम से प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत निष्क्रिय बैंक खातों का पुनः सत्यापन एवं नए बैंक खाते खोलना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक नामांकन को सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही बैंक खातों से सम्बंधित होने वाली डिजिटल धोखाधड़ी की रोकथाम के विषय पर भी जागरूक किया जाएगा।

प्रदेश के हर पात्र व्यक्ति तक इन वित्तीय योजनाओं की पहुँच को सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने निर्देश दिए कि इन अस्थायी शिविरों के साथ-साथ डोर टू डोर कार्यक्रमों का भी सञ्चालन किया जाए। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत बैंकिग एजेंसी, सरपंच,ग्राम विकास अधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता, पटवारी, शिक्षक एवं अन्य राजकीय कार्मिकों की सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी सम्बंधित विभाग एवं बैंकिंग एजेंसी आपसी समन्वय से कार्य कर नवगठित जिलों को आशान्वित सहयोग करें। सम्बंधित विभागों एवं जिला कलेक्टरों द्वारा जन सुरक्षा पोर्टल के माध्यम से समय-समय पर अभियान की मॉनिटरिंग की जाए।

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने बारिश के बीच जयपुर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयपुर। शहर में लगातार हो रही बारिश और संभावित जलभराव को देखते हुए राजस्थान के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज गिरधारीपुरा पंपिंग स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल निकासी, साफ-सफाई और आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों की गहन समीक्षा की। कर्नल राठौड़ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के मौसम में किसी भी क्षेत्र में जलभराव या नागरिकों को असुविधा न हो। उन्होंने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनसुरक्षा और जनसुविधा है, और इसके लिए राज्य सरकार हर स्तर पर सतर्क और सक्रिय है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पंपिंग स्टेशन सुचारु रूप से कार्य करें, नालों की नियमित सफाई हो और आपात स्थिति में राहत दल तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में बारिश से जनजीवन प्रभावित न हो और लोग सुरक्षित और सहज वातावरण में रह सकें। कर्नल राठौड़ ने दोहराया कि राज्य सरकार मानसून के दौरान जनता को हर संभव राहत देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने पारंपरिक 'खार्ची' पूजा की शुरुआत की

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बृहस्पतिवार को खैरपुर में चतुर्दश देवता मंदिर में सप्ताह भर चलने वाली 'खार्ची' पूजा की शुरुआत की। 'खार्ची' पूजा त्रिपुरा के महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसमें 14 देवताओं की पूजा की जाती है जिन्हें चतुर्दश देवता के रूप में जाना जाता है। सप्ताह भर चलने वाला यह त्योहार अशुद्धता की अवधि के बाद धरती को साफ करने से जुड़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने त्रिपुरा के लोगों को खार्ची पूजा के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, त्रिपुरा के हमारे भाइयों और बहनों को खार्ची पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। यह धार्मिक त्योहार धरती माता के साथ हमारे बंधन को और मजबूत करे व सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लाए। नड्डा ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, खार्ची पूजा के अवसर पर मैं त्रिपुरा के सभी भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। यह त्योहार सभी के जीवन में सौभाग्य, खुशियां और समृद्धि लाए। खार्ची पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने त्योहार की शुरुआत करने के बाद कहा कि सरकार राज्य की सभी 19 जनजातियों की परंपरा और संस्कृति को संरक्षित व समृद्ध करना चाहती है।

ममता बनर्जी ने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया और उनसे मानव जाति के लिए शांति एवं समृद्धि की कामना की। ममता मैदान क्षेत्र में स्थापित इस्कॉन रथ यात्रा मेला ग्राउंड में भगवान जगन्नाथ और उनके दो भाई-बहनों-भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को देखने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने तीनों देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की और 'आरती' में भी शामिल हुईं। ममता ने वरिष्ठ पुजारियों की मौजूदगी में कहा, कृपया हमें शक्ति दीजिए, हमारे हृदय को भक्ति से भर दीजिए। मैं भगवान से प्रत्येक मानव की शांति और समृद्धि की प्रार्थना करती हूं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के दीघा स्थित नये जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा का उद्घाटन किया था, जिससे इस उत्सव की शुरुआत हुई थी। 'उल्टो रथ' अनुष्ठान यानी रथों की वापसी पांच जुलाई को होनी है।

मुसलमानों के गाय की 'कुर्बानी' देने के खिलाफ बोलकर दिखाए कांग्रेस : असम के मुख्यमंत्री

उदलगुड़ी (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को विपक्षी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसमें 'कुर्बानी' के दौरान मुसलमानों द्वारा गोकसी किए जाने और धार्मिक स्थलों के निकट कथित तौर पर गोमांस फेंके जाने के खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं है। शर्मा ने एक बैठक से इतर कहा कि भाजपा एकमात्र पार्टी है जो मुस्लिम समुदाय से गायों को छोड़कर अन्य जानवरों की 'कुर्बानी' करने का अनुरोध कर सकती है। मुख्यमंत्री ने पूछा, ''क्या कांग्रेस ऐसा कर सकती है? उसे यह बात कहने के लिए सात बार जन्म लेना पड़ेगा। तो गायों का हितैषी कौन है?''

उन्होंने यह सवाल भी किया कि क्या कांग्रेस ने दुकानों में खुलेआम गोमांस बेचने और नामघर के सामने मांस फेंके जाने का कभी विरोध किया है। शर्मा ने कहा, ''क्या कांग्रेस ने धुबरी की घटना की निंदा की है? या वह हाजो मामले की निंदा करेगी, जिसमें आज गोमांस पाया गया? क्या उसे मृत गायों के बारे में नहीं बोलना चाहिए, ताकि पता चल सके कि उन्हें किसने मारा? कांग्रेस उलटे क्रम में काम करती है। जहां उसे बोलना चाहिए, वहां वह चुप रहती है।'' पुलिस के अनुसार, पिछले महीने ईद के दौरान गोमांस के टुकड़े फेंकने के आरोप में धुबरी, होजई, ग्वालपाड़ा और लखीमपुर जिलों में करीब 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मानसून सत्र से पहले ओम बिरला ने कहा : व्यवधान पैदा नहीं करें पार्टियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले बृहस्पतिवार को कहा कि राजनीतिक दलों को सदन की कार्यवाही में व्यवधान नहीं डालना चाहिए और जो पार्टियां गतिरोध पैदा करने का प्रयास करेंगी, उन्हें जनता जवाब देगी। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान लोकसभा (18वीं लोकसभा) में व्यवधान पहले के मुकाबले कम हुआ है और यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि राजनीतिक दलों ने विचार किया कि सदन चलना चाहिए।

बिरला ने हरियाणा के गुरुग्राम के मानेसर में आयोजित शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के मौके पर यह भी कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं की तरह स्थानीय निकायों के सदनों को सुचारू रूप से चलाने की आदर्श पद्धति स्थापित होनी चाहिए तथा वहां भी प्रश्नकाल तथा शून्यकाल जैसे सत्र की व्यवस्था होनी चाहिए। बिरला ने कहा, यह बदलाव का समय है। अगर हमें लोकतंत्र को मजबूत करना है और लोकतांत्रिक संस्थानों को जवाबदेह बनाना है, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सदन उचित तरीके से काम करें।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को सदन की कार्यवाही में व्यवधान कम करने के प्रयास करने चाहिए। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई को शुरू होने वाला है और 21 अगस्त तक चलेगा।

बिरला ने कहा कि वह 2014 से लोकसभा की कार्यवाही देख रहे हैं जब वह पहली बार सदन के सदस्य चुने गए थे। बिरला ने कहा, सदस्य सदन की कार्यवाही बाधित करने के लिए तख्तियां लेकर आते थे। 17वीं लोकसभा (2019-2024) में भी कुछ अलग स्थिति नहीं थी। लेकिन 18वीं लोकसभा में बदलाव दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों और सदस्यों ने विचार शुरू किया कि सदन को चलने दिया जाना चाहिए ताकि लोगों के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सके। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, सभी राजनीतिक दलों ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि सदन सुचारू रूप से चले।

झारखंड के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

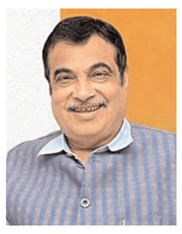

गढ़वा (झारखंड)/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र झारखंड के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में दो लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं लागू की जाएंगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि खनिज संसाधनों से समृद्ध झारखंड में राजमार्ग क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास होगा। उन्होंने यहां जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं झारखंड के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं लोगों को राज्य में दो लाख करोड़ रुपए की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन का आश्वासन देता हूं।'' गडकरी ने कहा, ''हमने राज्य में 40,000 करोड़ रुपए की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं पूरी की हैं। वर्तमान में हम 70,000 करोड़ रुपए की लागत वाली राजमार्ग परियोजनाओं को लागू कर रहे हैं, जबकि 75,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं।'' उन्होंने कहा कि 36 हजार करोड़ रुपए की लागत से वाराणसी-रांची-कोलकाता हरित गलियारे (ग्रीनफील्ड कॉरिडोर) का काम मार्च 2028 तक पूरा हो जायेगा जबकि जनवरी, 2028 तक 12,800 करोड़ रुपए की लागत से रांची-वाराणसी आर्थिक गलियारा बनाया जायेगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली-कोलकाता के बीच 31,700 करोड़ रुपए की लागत से छह लेन वाली कॉरिडोर परियोजना का काम जून 2026 तक पूरा हो जायेगा। गडकरी ने कहा कि 8,900 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा चार लेन का रांची-पटना आर्थिक गलियारे का काम दिसंबर 2029 तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 16,500 करोड़ रुपए की लागत से रायपुर-धनबाद आर्थिक गलियारा जनवरी 2028 तक पूरा हो जाएगा।

तेलंगाना फैक्टरी विस्फोट: ओडिशा के 5 श्रमिक अब भी लापता, किया जाएगा डीएनए मिलान

भुवनेश्वर/बरहामपुर (ओडिशा)/भाषा। तेलंगाना में एक कारखाने में हुए विस्फोट में ओडिशा के चार श्रमिक मारे गए जबकि इस पूर्वी राज्य के पांच अन्य श्रमिक अब भी लापता हैं, जिसके बाद उनके रिश्तेदार अज्ञात शवों के डीएनए मिलान के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चार लापता व्यक्तियों के रिश्तेदारों ने मिलान के लिए डीएनए नमूने दे दिए हैं, जबकि पांचवें व्यक्ति के रिश्तेदार आज तेलंगाना पहुंच रहे हैं। लापता लोगों में दो नबरंगपुर जिले से, दो गंजम से और एक कटक से है। मृतकों के शव भी ओडिशा में उनके पैतृक स्थानों पर पहुंचाए गए हैं।

ओडिशा परिवार निदेशालय के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) प्रितीश पांडा ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, '' स्थानीय प्रशासन ने हमें बताया कि विस्फोट के समय फैक्टरी में 143 लोग काम कर रहे थे। ओडिशा के कुछ लोग अलग-अलग सेक्शन में काम कर रहे थे। उनमें से चार की मौत हो गई, चार घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर है और पांच अन्य अब भी लापता हैं।'' उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान गंजम जिले के छत्रपुर के आर जगनमोहन, कटक जिले के तिगिरिया के लग्नजीत दुआरी, बालासोर जिले के सिमुलिया के मनोज राउत और जाजपुर जिले के धर्मशाला के डोलगोविंद साहू के रूप में हुई है। घायलों में गंजम जिले के समीर पाधी, भद्रक के चंदन कुमार नायक, नबरंगपुर के नीलांबर भद्रा और चित्रसेन बत्रा शामिल हैं।

बंगाल भाजपा नेता दिलीप घोष ने 'डमरू' बजाते हुए सड़कों पर पदयात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने ''लोगों की चेतना जाग्रत'' करने के लिए प्रतीकात्मक प्रयास के तौर पर बृहस्पतिवार सुबह 'डमरू' बजाते हुए दुर्गापुर शहर की सड़कों पर पदयात्रा की।

यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हुआ है जब राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य का राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में चुने जाना तय हो गया है, क्योंकि बुधवार की समय सीमा तक किसी अन्य उम्मीदवार ने इस पद के लिए नामांकन दाखिल नहीं किया। 'डमरू' के बारे में पूछे जाने पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, ''यह श्रावण मास है...भगवान शिव सभी की चेतना जाग्रत करने के लिए डमरू बजाते हैं। हम भी मौजूदा स्थिति को देखते हुए लोगों की चेतना को जाग्रत करने का प्रयास कर रहे हैं।'' बहरहाल, उन्होंने यह नहीं बताया कि ''मौजूदा स्थिति'' से उनका क्या मतलब है। नए प्रदेश पार्टी अध्यक्ष के तौर पर भट्टाचार्य के निर्वाचन पर प्रतिक्रिया देते हुए घोष ने कहा, ''पार्टी जिसे उपयुक्त समझती है, उसे नियुक्त करती है। वह एक शिक्षित व्यक्ति हैं, अच्छे वक्ता हैं और अच्छी तरह तर्क-वितर्क करते हैं और पार्टी में पहले भी महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।'' घोष राज्य के पूर्व भाजपा अध्यक्ष रह चुके हैं, लेकिन अब वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैलियों सहित पार्टी के प्रमुख कार्यक्रमों से अनुपस्थित रहते हैं। घोष ने अपनी पत्नी रिंकू मजूमदार के साथ तृणमूल कांग्रेस की सरकार द्वारा निर्मित दीघा के जगन्नाथ मंदिर में 30 अप्रैल को दर्शन किए थे और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की थी, जिसके बाद यह अटकलें लगायी जा रही हैं कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले पाला बदल सकते हैं। बहरहाल, उन्होंने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें सरकार से एक आधिकारिक निमंत्रण मिला था और उनकी पार्टी ने किसी को भी वहां जाने से नहीं रोका है।

मणिपुर : तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल घाटी जिलों में सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बुधवार को बिष्णुपुर जिले के मैत्रम इलाके से प्रतिबंधित प्रेपक (प्रो) संगठन के एक सदस्य को गिरफ्तार किया जिसकी पहचान ओइनम हेमनजीत सिंह के रूप में हुई है। इंफाल पूर्वी जिले के सेकमाइजिन मानिंग लेईकाई इलाके से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (पीडब्ल्यूजी) संगठन से जुड़े एक उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए उग्रवादी की पहचान ओइनम तोम्बा सिंह (57) के रूप में हुई जो काकचिंग और थौबल जिलों में विभिन्न पेट्रोल पंपों से जबरन वसूली की गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने बुधवार को काकचिंग जिले के एलांग खांगपोकपी अवांग लेईकाई से पीडब्लूजी के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया जिसकी पहचान लौरेम्बम सुरेश (47) के रूप में हुई है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने बुधवार को इंफाल पूर्वी जिले के एंड्रो खुमन (बरूनी हिल) की तलहटी से एक .303 राइफल, मैगजीन सहित दो नौ एमएम पिस्तौल, एक 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक, चार हथगोले, चार्जर सहित एक वायरलेस सेट और दो डेटोनेटर जब्त किए।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गंगा के जलस्तर में वृद्धि का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को पटना के विभिन्न घाटों पर गंगा के जलस्तर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सतर्कता बरतने तथा किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति का आकलन करने के लिए जेपी सेतु, दीघा घाट, कृष्णा घाट और गांधी घाट का दौरा किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने जेपी सेतु के पास स्थिति का आकलन किया, जहां गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से जलस्तर में और वृद्धि होने पर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा।'' हाल ही में हुई बारिश के कारण मनेर, दीघा घाट, गांधी घाट, हाथीदह और अन्य स्थानों पर गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। हालांकि, पटना के अधिकांश हिस्सों में गंगा अब भी खतरे के निशान से नीचे बह रही है। पिछले दो-तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य में नदियों के जलस्तर में वृद्धि हुई है। सीएमओ से जारी बयान के मुताबिक, '' मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लेने के लिए अटल पथ, जेपी गंगा पथ का दौरा किया।'' पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक अगले दो दिनों में राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में स्कूलों के विलय के पीछे गहरी साजिश है: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत उत्तर प्रदेश सरकार पर बुधवार को तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों को विलय करने के हालिया कदमों के पीछे गहरी साजिश है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यादव ने कहा, ''शिक्षा ही विकास की सबसे बड़ी कसौटी होती है। भाजपा सरकार में शिक्षा और शिक्षकों की जो उपेक्षा हो रही है उसके पीछे एक गहरी साजिश की ये आशंका बलवती हो रही है कि भाजपा आनेवाली पीढ़ी से शिक्षा का अधिकार छीनना चाहती है, जो शिक्षित होता है वह सकारात्मक भी होता है और सहनशील भी, ऐसे लोग भाजपा की नकारात्मक राजनीति को कभी भी स्वीकार नहीं करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''शिक्षा से ही उनमें चेतना आती है और वो उत्पीड़न व शोषण के खिलाफ एकजुट हो जाते हैं। शिक्षा से जो आत्मविश्वास आता है वह भाजपा जैसे वर्चस्ववादी दल के विरोध का कारण बनता है, इसीलिए न होंगे स्कूल, न होगा भाजपा का विरोध।''

यादव ने आरोप लगाया, ''आज गांवों में स्कूल बंद होंगे कल को भाजपा के संगी-साथी सेवा के नाम पर अपने स्कूल वहां खोलने के लिए पहुंच जाएंगे। जिससे वो अपनी दरारवादी सोच के बीज बो सकें।''

बिहार चुनाव में

'इंडि' गठबंधन ने अपनी निश्चित हार का बहाना पहले ही ढूंढना शुरू कर दिया : चिराग

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी ''निश्चित हार'' के लिए ''बहाने तलाशने'' शुरू कर दिए हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष ने यह टिप्पणी उस समय की जब संवाददाताओं ने उनसे राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और वामपंथी दलों के गठबंधन की ओर से निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के आदेश के खिलाफ किए जा रहे विरोध पर प्रतिक्रिया मांगी। चिराग ने कहा, ''विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' जानता है कि वह बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सामने टिक नहीं सकता, जहां हम एक विजयी गठबंधन हैं। इसलिए उसने नवंबर में होने वाली हार के लिए पहले से ही बहाने तलाशने शुरू कर दिए हैं।''

सूर्यवंशी के शानदार प्रदर्शन से भारत ने अंडर 19 वनडे में इंग्लैंड को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नॉर्थम्पटन/भाषा। आईपीएल स्टार वैभव सूर्यवंशी ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए रिकॉर्ड नौ छक्के लगाये और उनकी इस पारी के दम पर भारत ने वर्षाबाधित तीसरे अंडर 19 युवा वनडे मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2 . 1 की बढत बना ली ।

चौदह वर्ष के सूर्यवंशी ने 31 गेंद में 86 रन बनाये । इंग्लैंड के छह विकेट पर 268 रन के जवाब में भारत ने 34 . 3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया । सूर्यवंशी ने अपनी पारी में छह चौके और नौ छक्के जड़े । अंडर 19 वनडे क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज का यह सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड है । इससे पहले मनदीप सिंह ने आठ छक्के लगाये थे । भारत का स्कोर 24वें ओवर में छह विकेट पर 199 रन था लेकिन गेंदबाज हरफनमौला कनिष्क चौहान ने 42 गेंद में नाबाद 43 रन बनाये और आर एस अंबरीश (नाबाद 31) के साथ 75 रन की अटूट साझेदारी की । कनिष्क ने गेंदबाजी के दौरान भी तीन विकेट लिये थे । सूर्यवंशी ने तीसरे ही ओवर में सेबेस्टियन मोर्गन को दो छक्के लगाकर अपने तेवर जाहिर कर दिये थे। अगले ओवर में उन्होंने मोर्गन को दो छक्के और एक चौका लगाया । राजस्थान रॉयल्स के लिये आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले 14 वर्ष के सूर्यवंशी ने साबित कर दिया कि उनका फॉर्म महज तुक्का नहीं था । इंग्लैंड के बायें हाथ के तेज गेंदबाज जेम्स मिंटो को उन्होंने छठे ओवर में खासी नसीहत देते हुए 23 रन निकाले । सूर्यवंशी के आउट होने के समय भारत का स्कोर आठवें ओवर में 111 रन था । इससे पहले इंग्लैंड के लिये कप्तान थॉमस रियू ने 44 गेंद में नाबाद 76 रन बनाये जबकि सलामी बल्लेबाज बेन डॉकिंस ने 62 रन की पारी खेली ।

शुभमन गिल इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई टेस्ट कप्तान बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्मिंघम/भाषा। शुभमन गिल इंग्लैंड में टेस्ट मैच में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय और एशियाई कप्तान बन गए। उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां एजबस्टन में दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की।

गिल इसके साथ ही इंग्लैंड की सरजमीं पर सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ा जिन्होंने 1979 में ओवल में 221 रन की पारी खेली थी। इससे पहले किसी एशियाई कप्तान का इंग्लैंड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 193 रन था जो 2011 में श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान ने लार्ड्स पर बनाए थे। लीड्स में टेस्ट कप्तान के रूप में अपने पदार्पण मैच में 147 रन बनाने वाले गिल ने जोश टंग की गेंद पर डीप फाइन लेग पर एक रन लेकर लेकर पारंपरिक प्रारूप में अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया। गिल ने अपना दोहरा शतक पूरा करने के लिए 311 गेंदों का सामना किया। वह भारत के लिए दोहरा शतक लगाने वाले कप्तानों की सूची में एमएके पटौदी, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी के साथ शामिल हो गए। विराट कोहली के नाम भारत के लिए कप्तान के रूप में सात दोहरे शतक जड़ने का रिकॉर्ड है। गिल से पहले एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देश में किसी भारतीय कप्तान द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर 192 रन था जो मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 1990 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। इससे पहले मैनचेस्टर में 1990 में अजहरुद्दीन द्वारा बनाए गए 179 रन इंग्लैंड में किसी भारतीय कप्तान द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर था। गिल सुनील गावस्कर और राहुल द्रविड़ की महान जोड़ी के बाद यहां दोहरा शतक बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं।

सुविचार

राधा ने कृष्ण को कभी रोका नहीं, प्रेम में स्वतंत्रता का अर्थ वही जानती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घुसपैठियों के बुलंद हौसले

एक बांग्लादेशी नागरिक के निर्वासन के कुछ ही दिनों बाद दिल्ली आकर उसी इलाके में रहने की घटना से पता चलता है कि घुसपैठियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। उन्हें भारत में किसी का डर ही नहीं है! उक्त बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर एवं भिखारी पहली बार 15 मई को पकड़ी गई थी और स्वदेश भेज दी गई थी। वह 30 जून को दोबारा दिल्ली में पकड़ी गई। राष्ट्रीय राजधानी से देश चलता है, वहां शीर्ष नेता और मंत्री रहते हैं, हमारी तमाम बड़ी एजेंसियों के मुख्यालय हैं, दिल्ली पुलिस है ... इन सबके बावजूद बांग्लादेशी घुसपैठिए धड़ल्ले से घूम रहे हैं! अधिकारी कर क्या रहे हैं? बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर के साथ 300 अवैध प्रवासी भी निर्वासित किए गए थे। क्या उनमें से किसी ने वापस आने की कोशिश नहीं की होगी? अगर कोई शख्स यहां से निकाले जाने के बाद दोबारा अवैध ढंग से देश में प्रवेश करता है और उसी जगह पर रहने के लिए आ जाता है तो इसका साफ मतलब है कि उसने सोच रखा है कि मेरे खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं होने वाली है। देश की आबादी पहले ही 140 करोड़ को पार कर चुकी है। अब इन अवैध बांग्लादेशियों का बोझ भी भारत उठाए! यह कड़वी हकीकत है कि सरकारी तंत्र के ढीले रवैए की वजह से बांग्लादेशी और तमाम अवैध प्रवासी यहां मौज उड़ा रहे हैं, वरना मज़ाल है कि कोई निकाले जाने के बाद वापस वहीं आकर डेरा डाल ले। इससे यह भी पता चलता है कि भारत सरकार जिन तौर-तरीकों पर अमल करते हुए इन अवैध प्रवासियों को निकालती है, वे कारगर साबित नहीं हो रहे हैं। अवैध प्रवासियों को बाहर कर देना ही काफी नहीं होता। उन्हें सबक भी मिलना चाहिए कि हिंदुस्तान की धरती पर दोबारा गलत तरीके से कदम रखा तो नतीजा अच्छा नहीं होगा।

कभी सोचा है कि बांग्लादेश, म्यांमार जैसे देशों से अवैध प्रवासी हमारे यहां ही क्यों आते हैं? ये चीन क्यों नहीं जाते? यहां ऐसा क्या आकर्षण है कि ये लोग अपना घर-द्वार छोड़कर भारत के किसी अनजान इलाके में रहने को तैयार हो जाते हैं? इसकी सबसे बड़ी वजह है- ये यहां आकर स्वच्छंद विचरण कर सकते हैं, जहां मर्जी हो झुग्गी बनाकर रह सकते हैं। इनका कोई रिकॉर्ड नहीं होता, इसलिए कई लोग अपराध करने लगते हैं। अगर फेरी लगाते या भीख मांगते हैं, तो बांग्लादेशी मुद्रा में अच्छी-खासी कमाई हो जाती है। ये मानकर चलते हैं कि भीड़ में घुलमिल जाएंगे, लिहाजा पकड़े जाने की आशंका कम होगी। भारत में इन्हें फर्जी आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र बनाकर देने वालों की कमी नहीं है। दो-चार साल रहने के बाद कुछ राजनीतिक दल इन्हें अपना वोटबैंक बनाने की कोशिशों में जुट जाते हैं। सरकारी दस्तावेजों में नाम जुड़वाने के बाद मुफ्त राशन, मुफ्त चिकित्सा और दूसरी सुविधाएं मिलने लगती हैं। अगर कभी पकड़े गए तो इनके 'अधिकारों की रक्षा' के लिए कुछ मशहूर वकील अदालत का दरवाजा खटखटा देते हैं। इतनी ज्यादा 'खातिरदारी' होगी तो घुसपैठिए क्यों नहीं आएंगे? जब ट्रंप ने अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकालना शुरू किया था तो सरकारी तौर-तरीकों को लेकर बहुत बहस छिड़ी थी, मानवाधिकार संगठनों ने खूब निंदा की थी। भारत सरकार उतना सख्त रुख न दिखाए, लेकिन कुछ ऐसे तरीके तो अपनाए, जिनसे घुसपैठिए हतोत्साहित हों। यह कोई असंभव काम नहीं है। केंद्र सरकार को दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाते हुए एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालने का इंतजाम करना होगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करना होगा कि वे दोबारा यहां अवैध तरीके से आने का दुस्साहस न करें।

ट्वीटर टॉक

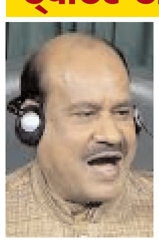

कई नगर निकायों में बैठकों की कम संख्या चिंता का विषय है, यह लोकतंत्र की स्वस्थ परम्परा नहीं है। हम प्रयास करें कि नगर निकायों की बैठकें नियमित रूप से हो, पर्याप्त समय के लिए हो तथा उन बैठकों में शून्यकाल, प्रश्नकाल भी हो।

-ओम बिरला

सनातन संस्कृति में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व रखने वाली पावन 'अमरनाथ यात्रा' के शुभारम्भ पर समस्त शिवभक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलमय बधाई! बाबा बर्फानी की असीम कृपा से सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण हों।

-भजनलाल शर्मा

पवित्र अमरनाथ यात्रा के शुभारम्भ पर सभी श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं। बाबा अमरनाथ की यह यात्रा भारतीय संस्कृति में अति महत्वपूर्ण है, जो धार्मिक महत्त्व के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता एवं सद्भावना का जीवन प्रतीक है।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

एकता की शक्ति

एक समय एक संत अपने अनुयायियों की एकता और अखंडता पर संगोष्ठी कर रहे थे। तब वहां उपस्थित एक व्यक्ति ने पूछा कि आप हमें संगठित रहने के लिए कह रहे हैं वो किस तरह संभव है? कृपया मुझे समझाएं। संत उसे बाहर ले गए और वहां बैठे हुए कुत्तों को पत्थर से डराने को कहा। उस व्यक्ति के पत्थर फेंकने से कुत्ते वहां से भाग गये। फिर संत ने आश्रम में लगे मधुमक्खी के छत्ते को पत्थर मारने के लिए कहा, उस व्यक्ति ने जैसे ही पत्थर उछाला वैसे ही बहुत सारी मधुमक्खियों ने उस व्यक्ति पर हमला बोल दिया। अब वह व्यक्ति डर के मारे अंदर की तरफ भागने लगा, तो संत ने कहा वत्स! तुमने देखा कि एकता में कितना दम है। एक तरफ तो कुत्ते असंगठित थे जो भाग गए और दूसरी तरफ मधुमक्खियां, जिन्होंने संगठित होकर तुम्हें भगा दिया। ध्यान रखो कि एकता में ही शक्ति है।

सामयिक

स्वामी विवेकानंद: विचारों के युगदृष्टा, युवाओं के पथप्रदर्शक

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

स्वामी विवेकानंद सदैव युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तिव के धनी माने जाते रहे हैं, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। विवेकानंद के बारे में कहा जाता है कि वे स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को खाना खिलाते थे और बाहर ठंड में सो जाते थे। मानवता के वे कितने बड़े हितैषी थे, यह उनके इस वक्तव्य से समझा जा सकता है कि भारत के 33 करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी-देवताओं की भांति मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए। विवेकानंद का व्यक्तित्व कितना विराट था, यह गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के इस कथन से स्पष्ट हो जाता है कि अगर आप भारत को जानना चाहते हैं तो आप विवेकानंद को पढ़िए। विवेकानंद का कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए।

वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। विवेकानंद ने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थीं और युवाओं की अहम भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही उन्होंने अपने एक भाषण में कहा भी था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई भी आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने एक मंत्र दिया था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।' ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्कमता का संचार करने का कार्य किया।

युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी विवेकानंद ने अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अतः एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है। मृत्यु तो निश्चित है, एक अच्छे काम के लिए मरना सबसे बेहतर है। कुछ सच्चे, ईमानदार और ऊर्जावान पुरुष और महिलाएं एक वर्ष में एक सदी की भीड़ से अधिक कार्य कर सकते हैं। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।''

11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों' के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए लेकिन उनकी कीर्ति युगों-युगों तक जीवंत रहेगी।

बोध कथा

आखिर में यह भी नहीं रहेगा

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया। साधू ने आनंद के लिए प्रार्थना की भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे। साधू की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला। साधू आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधू आनंद से मिलने गया। आनंद ने अभाव में भी साधू का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधू की आँखों में आँसू थे। साधू कहने लगा हे भगवान ! ये तूने क्या किया?

आनंद पुन: हँस पड़ा और बोला महाराज आप क्यों दु:खी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधू मन ही मन सोचने लगा मैं तो केवल भेष से साधू हूँ। सच्चा साधू तो तू ही है, आनंद। कुछ वर्ष बाद साधू फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया। साधू ने आनंद से कहा अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया। भगवान करे अब तू ऐसा ही बना रहे। यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा महाराज! अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है। साधू ने पूछा क्या यह भी नहीं रहने वाला? आनंद उत्तर दिया हाँ! या तो यह चला जाएगा या फिर इसको अपना मानने वाला ही चला जाएगा। कुछ भी रहने वाला नहीं है और अगर शाश्वत कुछ है तो वह है परमात्मा और उस परमात्मा की वंश आत्मा। आनंद की बात को साधू ने गौर से सुना और चला गया। साधू कई साल बाद फिर लौटता है तो देखता है कि आनंद का महल तो है किन्तू कबूतर उसमें गुटरगूं कर रहे हैं, और आनंद का देहांत हो गया है। बेटियाँ अपने-अपने घर चली गयीं, बूढ़ी पत्नी कोने में पड़ी है। साधू कहता है अरे इन्सान! तू किस बात का अभिमान करता है? क्यों इतराता है? यहाँ कुछ भी टिकने वाला नहीं है, दु:ख या सुख कुछ भी सदा नहीं रहता। तू सोचता है पड़ोसी मुसीबत में है और मैं मौज में हूँ। लेकिन सुन, न मौज रहेगी और न ही मुसीबत।

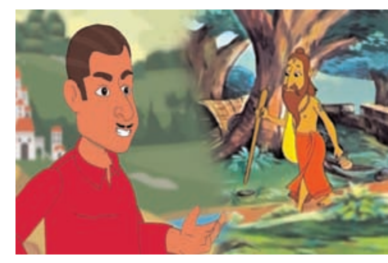

सदा तो उसको जानने वाला ही रहेगा। सच्चे इन्सान वे हैं, जो हर हाल में खुश रहते हैं। मिल गया माल तो उस माल में खुश रहते हैं, और हो गये बेहाल तो उस हाल में खुश रहते हैं।

साधू कहने लगा धन्य है आनंद! तेरा सत्संग, और धन्य हैं तुम्हारे सतगुरु! मैं तो झूठा साधू हूँ, असली फकीरी तो तेरी जिन्दगी है। अब मैं तेरी तस्वीर देखना चाहता हूँ, कुछ फूल चढ़ाकर दुआ तो मांग लूं। साधू दूसरे कमरे में जाता है तो देखता है कि आनंद ने अपनी तस्वीर पर लिखवा रखा है आखिर में यह भी नहीं रहेगा।

नजरिया

विस्तारवाद की चाहत में लगे विराम

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009415415

किसी भी विचार या मुद्दों से असहमती के प्रतिफल में हिंसा या क्रूरता नहीं की जा सकती। विचारों से असहमति और हिंसा के विरोध में प्रतिहिंसा समस्या का हल नही हो सकता है। सबसे ताजा क्रूर और हिंसात्मक परिणाम फिलिस्तीन-इजरायल युद्ध के रूप में सामने आया है। जिसमें 20000 लोगों की जान चली गई और 50000 लोगों से ज्यादा घायल मानवीय शरीर कराह रहे हैं। इसराइल ने फिलीस्तीन, हमास, लेबनान को तबाह कर दिया है आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह को नेस्तनाबूत करने की बात तो एक बार समझ में आती है पर लेबनान के 50 लाख लोगों को देश छोड़ने पर मजबूर कर देना तानाशाही का एक भयानक रूप ही दिखाई देता है। इसके बाद भी उसकी हिंसा की प्यास नहीं बुझी है और अमेरिका ईरान इजरायल युद्ध में अमेरिका ने युद्ध के सबसे बड़े हथियार रूपी हवाई जहाज से ईरान, ईरान के संग्रहण ठिकानों में हवाई हमला कर युद्ध का रौद्र रूप दिखाया इजरायल ईरान आपस में बैलिस्टिक मिसाइल से हमला कर एक दूसरे के महत्वपूर्ण ठिकानों को तबाह कर दिया है। दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध को 2 साल से ज्यादा समय हो चुका है इस युद्ध ने दोनों देशों के लाखों लोगों को बेघर कर दिया गया है और हजारों लोगों की जान चली गई है। दोनों देशों के अरबों रुपए इस युद्ध में खर्च हो चुके हैं यदि इस धनराशि का विकास के लिए मानव शांति के लिए उपयोग किया गया होता तो आज दोनों देशों में शांती के साथ विकास भी होता। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अमेरिका को इजराइल का साथ न देने की स्पष्ट चेतावनी देकर कहा है कि यदि वह इजराइल फिलिस्तानी लेबनान ईरान युद्ध में बीच में आया तो उत्तर कोरिया अमेरिका पर परमाणु हमला कर देगा। जब तक विश्व में व्लादिमीर पुतिन, सी जिन पिंग, नेतन्याहू और किम जोंग-उन जैसे खून के प्यासे तानाशाह रहेंगे विश्व में शांति स्थापना की कल्पना करना नामुमकिन ही होगा। आज वैश्विक शांति में खलबली मची हुई है। धरती विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भारत जैसे शांतिप्रिय, निर्गुण देश को भी सावधान और सतर्क हो जाना चाहिए। उसके परंपरागत शत्रु चीन और पाकिस्तान भी हमेशा भारत की सीमा में घात लगाए बैठे रहते हैं और आक्रमण का खतरा भी सदैव बना रहता है। आइये भारत का एक रचनात्मक विश्लेषण करते हैं-: भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक, प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है। यहां वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया-प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है। आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया।

> **भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भा मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।**

आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे पर स्वतंत्रता के 77 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भा मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमरनाथ यात्रा

पहलगाम में गुरुवार को तीर्थयात्रियों का पहला जत्था पहलगाम में ननवान बेस कैंप से अमरनाथ गुफा के लिए रवाना होते समय धार्मिक नारे लगाता हुआ।

गुलामी से बेहतर है जेल की अंधेरी कोठरी : इमरान खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि वह गुलामी स्वीकार करने के बजाय जेल की अंधेरी कोठरी में रहना पसंद करेंगे। खान ने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आशूरा के बाद वर्तमान शासन के खिलाफ विद्रोह करें। आशूरा, पैगंबर साहब के पोते इमाम हुसैन की शहादत के शोक में मोहर्रम का 10वां दिन है। इस साल यह दिन छह जुलाई को है। खान ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं पूरे देश, विशेषकर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं और समर्थकों से आग्रह करता हूं कि वे आशूरा के बाद इस अत्याचारी व्यवस्था के खिलाफ उठ खड़े हों। खान ने कहा, मैं गुलामी को स्वीकार करने के बजाय जेल की एक अंधेरी कोठरी में रहना पसंद करूंगा। खान कई मामलों में लगभग दो वर्षों से जेल में हैं। खान ने कहा कि उनकी आवाज़ को हर तरीके से दबाने की कोशिश की जा रही है। सेना प्रमुख आसिम मुनीर पर टिप्पणी करते हुए खान ने कहा, जब कोई तानाशाह सत्ता में आता है, तो उसे लोगों के मतों की ज़रूरत नहीं होती वह क्रूर बल के ज़रिए शासन करता है।

आईटीआई लि. को ओडिशा और छत्तीसगढ़ से 88 करोड़ रु. के ऑर्डर मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/कटक/रायपुर। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने ओडिशा और छत्तीसगढ़ में लगभग 88 करोड़ रुपए के विभिन्न अनुबंध हासिल किए हैं। कंपनी को कटक विकास प्राधिकरण से ओडिशा में ट्रैफिक सिग्नल प्रणाली की स्थापना के साथ कटक के विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों की खरीद और इंस्टॉलेशन के लिए 54 करोड़ रुपए का अनुबंध मिला है। इस अनुबंध में कैमरों, सॉफ्टवेयर / एनालिटिक्स / एएनपीआर, हार्डवेयर आदि की खरीद शामिल है। इसके अलावा, अनुबंध में ट्रैफ़िक सिग्नल सिस्टम इंस्टॉलेशन के लिए टेक्नो-कॉमर्सियल तत्त्व भी शामिल हैं।

इसी तरह, कटक विकास प्राधिकरण से जीआईएस आधारित ऐप्लीकेशन के जरिए लैंड इंटेलीजेंस मैनेजमेंट सिस्टम के लिए 23.05 करोड़ रुपए का अनुबंध भी जीता है। इस अनुबंध में बिदानासी विकास परियोजना क्षेत्र के भीतर जीआईएस आधारित ऐप्लीकेशन के जरिए लैंड इंटेलीजेंस मैनेजमेंट सिस्टम का कार्यान्वयन और सीडीए योजना क्षेत्र में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) टेक्नोलॉजी का उपयोग करके कटक विकास प्राधिकरण के लोकेशन-वाइज प्रॉपर्टी मैप का कार्यान्वयन शामिल है।

आईटीआई लि. को छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसाइटी (चिप्स) से छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में मंत्रालय और एचओडी भवन में डब्ल्यूएलएएन/एलएएन इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यान्वयन / उन्नयन के लिए 11.72 करोड़ रुपए का अनुबंध मिला है।

इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'हम ओडिशा और छत्तीसगढ़ सरकारों से ये नए अनुबंध प्राप्त कर बहुत खुश हैं, जहां कुशल नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकारों को उनके डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में सहायता करने में शामिल होंगे। आईटीआई लि. को अब राज्य सरकारों द्वारा उनकी ई-गवर्नेंस पहल को मजबूत करने के लिए सूचना एवं संचार टेक्नोलॉजी (आईसीटी) सेवाओं का संपूर्ण स्पेक्ट्रम उपलब्ध कराने के लिए विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखा जा रहा है।' राय ने कहा, 'हमारी टीम हमेशा की तरह इन अनुबंधों पर काम करने के लिए बहुत उत्साहित और अत्यधिक प्रेरित है। मुझे विश्वास है कि हम उन्हें समय से पहले पूरा कर लेंगे। हमें उम्मीद है कि हमारा काम राज्य सरकारों को सर्वश्रेष्ठ ई-गवर्नेंस सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगा।'

ट्रंप अन्य राष्ट्रपतियों की तरह नहीं, लेकिन क्या वह 'दूसरे कार्यकाल के श्राप' को खत्म कर सकते हैं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैमिल्टन।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने विरोधियों को तीसरे कार्यकाल की संभावना जताकर छेड़ना पसंद करते हैं लेकिन उनके सामने पहले एक और ऐतिहासिक चुनौती है, जिसने कई राष्ट्रपतियों को परेशान किया है और वह है : 'दूसरे कार्यकाल का श्राप'।

अब तक अमेरिका के 21 राष्ट्रपतियों ने दूसरा कार्यकाल पूरा किया है, लेकिन कोई भी अपने पहले कार्यकाल की सफलता की बराबरी नहीं कर सका। दूसरे कार्यकाल के प्रदर्शन आमतौर पर फीके और प्रेरणाहीन रहे हैं। कुछ मामलों में तो विनाशकारी भी। इसके लिए मतदाताओं की असंतुष्टि और निराशा, राष्ट्रपति का थकान महसूस करना और भविष्य की स्पष्ट व स्थायी दूरदृष्टि की कमी जैसे कारण बताए जाते हैं।

लेकिन ट्रंप इस परिपाटी में पूरी तरह फिट नहीं बैठते। 19वीं सदी के अंत में ग्रोवर क्लीवलैंड एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे, जिनके दो कार्यकाल के बीच अंतराल था यानी कि पहले और दूसरे कार्यकाल के बीच कोई और राष्ट्रपति बना था। इसी वजह से 'ट्रंप 2.0' (ट्रंप के दूसरे कार्यकाल) की, दो कार्यकाल तक राष्ट्रपति रहे अन्य नेताओं से तुलना करना कठिन हो जाता है।

ट्रंप निश्चित रूप से यह चाहेंगे कि इतिहास ग्रोवर क्लीवलैंड के दूसरे कार्यकाल के श्राप को दोहराए नहीं। क्लीवलैंड ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही 50 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगा दिए थे, जिससे 1893 में वैश्विक बाजारों में भारी अस्थिरता फैल गयी थी।

उस समय यह अमेरिका के इतिहास की सबसे भयानक मंदी मानी गई थी : 19 प्रतिशत बेरोजगारी, अमेरिकी राजकोष से सोने की भारी निकासी, शेयर बाजार का ध्वस्त होना और व्यापक स्तर पर गरीबी फैलना।

एक सदी से भी अधिक समय बाद, ट्रंप अगर तेजी से काम करने का अपना रवैया दूसरे कार्यकाल में भी अपनाते हैं तो यह उन मतदाताओं को आकर्षित कर सकता है जो सबसे पहले कार्रवाई की मांग करते है। अब तक उन्होंने व्यापार युद्ध और सांस्कृतिक युद्ध लड़ते हुए पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष तक की स्थिति पर विचार किया है। उनका 'बिग ब्यूटीफुल बिल' राष्ट्रीय ऋण में खरबों डॉलर जोड़ देगा और संभवत: कई गरीब मतदाताओं, जिनमें कई रिपब्लिकन भी शामिल हैं, को 'मेडिकेड' जैसी स्वास्थ्य सेवाओं से बाहर कर सकता है। उनका यह कट्टरपंथी तरीका दूसरे कार्यकाल के ''श्राप'' को खत्म करेगा या उसी का शिकार बनेगा, यह अब भी एक सवाल है।

1951 में संविधान में 22वें संशोधन द्वारा दो कार्यकाल की सीमा लागू की गई थी। यह आशंका थी कि अधिकतम अवधि के बिना, एक निरंकुश नेता जीवन भर के लिए नियंत्रण करने की कोशिश कर सकता है, एक राजा की तरह (इसलिए हाल ही में अमेरिका में 'नो किंग्स' विरोध प्रदर्शन हुए)। जॉर्ज वाशिंगटन, जेम्स मैडिसन और थॉमस जेफरसन सभी ने तीसरे कार्यकाल के लिए इनकार कर दिया था। एक मिथक है कि जब फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट ने शुरुआती राष्ट्रपतियों द्वारा निर्धारित दो कार्यकाल की वास्तविक सीमा को तोड़ा, तो जॉर्ज वाशिंगटन की आत्मा ने चार वर्ष से अधिक समय तक पद पर रहने वाले किसी भी व्यक्ति को श्राप दे दिया।

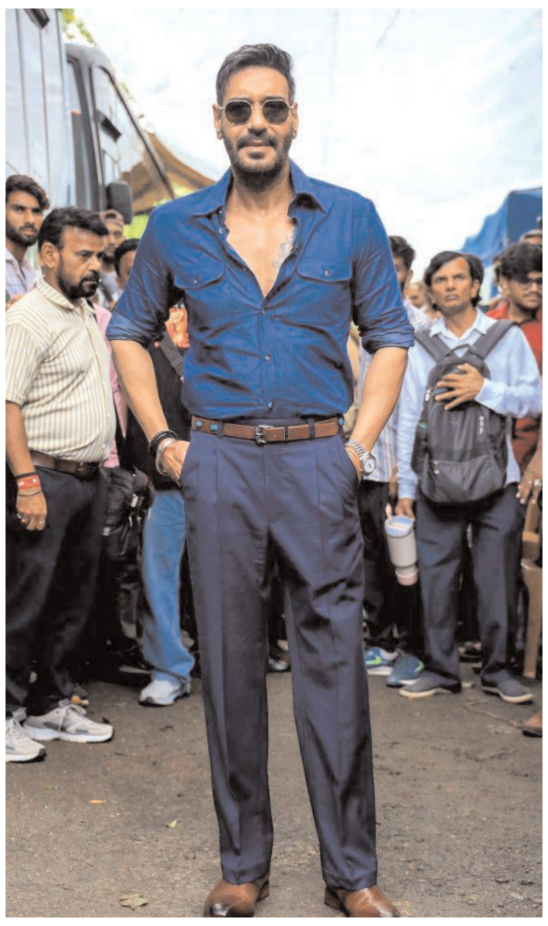

अभिनेता अजय देवगण गुरुवार को मुंबई में शूटिंग के दौरान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन 3 के सेट पर।

मैं अपने काम पर गर्व करना चाहती हूं : प्रियंका चोपड़ा

लंदन/भाषा

पूरी दुनिया में मशूहर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने कहा है कि वह अपने काम पर गर्व महसूस करना चाहती हैं और यही कारण है कि वह हमेशा सार्थक भूमिकाएं निभाने का प्रयास करती हैं। प्रियंका हॉलीवुड शो सिटाडेल के साथ-साथ बेवॉच, ए किड लाइक जेक, द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस और लव अगेन जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से धूम मचा रही हैं। प्रियंका की ओटीटी मंच प्राइम वीडियो पर नई फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट आई है। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसमें वह हॉलीवुड सितारों इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ अभिनय करती हुई नजर आ रही हैं। लंदन में फिल्म के प्रीमियर के अवसर पर प्रियंका ने कहा कि वह हमेशा ऐसे किरदार निभाती हैं जो दिखावटी न हों। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं जो काम करती हूं, उस पर गर्व करना चाहती हूं। इसलिए मैं ऐसे किरदार निभाने की कोशिश करती हूं जिनमें क्षमता हो, जो मजबूत हों और जो फिल्मों में कुछ खास कर सकें, न कि दिखावटी हों।

प्रियंका ने कहा, मुझे यह फिल्म करने पर गर्व है क्योंकि यह मजेदार है... दुनिया एक मुश्किल जगह पर है और हमें हंसाने के लिए कुछ चाहिए। प्रीमियर कार्यक्रम में प्रियंका के पति एवं संगीतकार निक जोनस और उनकी चचेरी बहन एवं अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ-साथ जॉन सीना भी शामिल हुए। फिल्म नोबडी से प्रसिद्ध इल्या नैशुल्लर द्वारा निर्देशित हेड्स ऑफ स्टेट में एल्बा ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भूमिका निभाई है और सीना ने अमेरिकी राष्ट्रपति की भूमिका निभाई है।

जमीन धंसी

वाराणसी में गुरुवार को वाराणसी में बारिश से हुए नुकसान के बाद शिवपुर-बाबतपुर मार्ग पर सड़क का एक हिस्सा धंस गया।

संत तुकाराम के जन्मस्थान मंदिर में पहुंचीं शीना चौहान, फिल्म के लिए मांगा आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

अपनी बहुप्रतीक्षित हिंदी डेब्यू फिल्म 'संत तुकाराम' के प्रमोशन्स की शुरुआत करते हुए अभिनेत्री शीना चोहान ने 3 जुलाई को एक आध्यात्मिक सफर से इस नई यात्रा की शुरुआत की। फिल्म प्रमोशन्स से पहले शीना चोहान ने पुणे के पास स्थित देहू में संत तुकाराम महाराज मंदिर जाकर आशीर्वाद लिया। यह वही स्थान है जहाँ 17वीं सदी के महान संत-कवि संत तुकाराम का जन्म हुआ था। यह यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि 3 जुलाई को शीना चोहान का जन्मदिन भी है। इस दिन को इतना विशेष बनाने के लिए शीना ने कहा, आज मेरा जन्मदिन है और इस पावन दिन की शुरुआत देहू जैसे पवित्र स्थान पर करके मैं खुद को बेहद धन्य मानती हूं। संत तुकाराम जी के मंदिर में जाकर प्रमोशन्स की शुरुआत करना मेरे लिए सबसे खास तोहफा है। मुझे इस ऐतिहासिक फिल्म में 'आवली जीजा बाई' का केंद्रीय किरदार निभाने का सौभाग्य मिला है यह किरदार समर्पण, साहस और भावना से भरपूर है। मेरा दिल कृतज्ञता से भर गया है। शीना ने आगे कहा: सबसे पहले, मैं संत तुकाराम महाराज को नमन करती हूं, जिन्होंने समाज को नई दिशा दी, हमारी संस्कृति को समृद्ध किया और लोगों को यह समझाया कि अगर आप दिल से किसी चीज़ पर विश्वास करते हैं, तो वह संभव है। इस विषय पर इतने भव्य स्तर पर पहली बार एक हिंदी फिल्म बन रही है और मैं इसका हिस्सा बनकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं।

महाराष्ट्र की धरती, इसकी संस्कृति और उन सभी संतों व पुरोहितों को मैं श्रद्धापूर्वक नमन करती हूं, जिन्होंने इसे समृद्ध बनाया। साथ ही मैं अपने निर्देशक आदित्य ओम सर और निर्माता गौतम जी की आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है यह मेरे लिए एक आत्मिक यात्रा है। 'संत तुकाराम', कर्ज़न फिल्म्स और पुरुषोत्तम स्टूडियोज़ के बैनर तले बन रही है और यह फिल्म 18 जुलाई 2025 को रिलीज़ होने जा रही है। फिल्म में सुबोध भावे संत तुकाराम की भूमिका में हैं, जबकि शीना चोहान फीमेल लीड के रूप में नज़र आएंगी। हाल ही में रिलीज़ हुए टीज़र ने पहले ही काफी चर्चा बटोरी है, और शीना की यह जन्मदिन पर मंदिर यात्रा इस फिल्म के प्रचार की एक भावनात्मक और आध्यात्मिक शुरुआत साबित हुई है।

'मालिक' मेरे लिए स्थापित छवि से बाहर निकलने का एक अवसर : राजकुमार राव

मुंबई/भाषा। अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि वह लंबे समय से अपनी स्थापित छवि से बाहर निकलने का अवसर तलाश रहे थे और यह मौका उन्हें अपनी आने वाली फिल्म 'मालिक' में एक गैंगस्टर की भूमिका के जरिये मिला। 'मालिक' 1980 के दशक के इलाहाबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो महत्वाकांक्षा, सत्ता और अस्तित्व की कहानी बयां करती है। इसका निर्देशन 'भक्षक' फेम पुलकित ने किया है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर राव ने संवाददाताओं से कहा, एक अभिनेता को अपनी छवि तोड़ने के बहुत कम मौके मिलते हैं और मैं हमेशा ऐसे ही किरदारों की तलाश करता हूं, जैसा कि मैंने 'श्रीकांत' में किया था। अभिनेता के तौर पर हमेशा कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करने की आकांक्षा रहती है। मुझे खुशी है कि 'मालिक' मेरे पास आई। इस फिल्म में काम कर मुझे बेहद आनंद आया। राव और निर्देशक पुलकित ने इससे पहले 2017 में वेब सीरीज 'बोस: डेड/अलाइव' में साथ काम किया था।

'शाहिद', 'न्यूटन', 'स्त्री' और 'श्रीकांत' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा पा चुके राव ने उम्मीद जताई कि दर्शकों को फिल्म में उनका काम पसंद आएगा।

'वॉर 2' के प्रमोशन में एक-दूसरे से दूर रहेंगे ऋतिक और एनटीआर!

मुंबई/एजेन्सी

यशराज फिल्मस (वाईआरएफ) की फिल्म 'वॉर 2' के प्रचार में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर को एक-दूसरे से अलग रखा जायेगा। यशराज फिल्म्स ने हमेशा अपने स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों के प्रचार के लिए अनोखी और दिलचस्प रणनीतियाँ अपनाई हैं। अब, बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' के प्रचार को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। कहा जा रहा है कि ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर को एक-दूसरे से अलग रखा जाएगा! 'वॉर 2' में पहली बार ऋतिक और एनटीआर एक साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे, और दर्शकों के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण होने वाला है।

इस तीव्र टक्कर को प्रमोशन के दौरान भी बरकरार रखने के लिए वाईआरएफ ने तय किया है कि दोनों कलाकार कभी भी एक ही मंच पर नजर नहीं आएंगे। चर्चा है कि ऋतिक और एनटीआर फिल्म के प्रचार में कभी एक साथ नहीं दिखेंगे ,न किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, न किसी प्रमोशनल वीडियो में और न किसी इवेंट में। वाईआरएफ चाहता है कि दर्शक पहले बड़े पर्दे पर इन दोनों की जबरदस्त भिड़ंत देखें, उसके बाद ही उन्हें साथ में किसी दोस्ताना माहौल में देखना चाहिए। यह रणनीति वाईआरएफ की अब तक की स्पाय यूनिवर्स फिल्मों की तरह एक और दिलचस्प पहल है। इससे पहले 'वॉर' में भी ऋतिक और टाइगर श्रॉफ पहली बार फिल्म की सक्सेस पार्टी में एक साथ नजर आए थे।

'पठान' के प्रचार के दौरान शाहरुख खान ने केवल सोशल मीडिया के लिए कुछ खास वीडियो शूट किए, लेकिन किसी भी प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा नहीं लिया।

फिल्म 'वॉर 2' का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है और यह फिल्म 14 अगस्त को दुनियाभर में आइमैक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म में कियारा आडवाणी भी वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स का हिस्सा बन रही हैं और इस बार उनके सबसे खतरनाक अवतार की झलक देखने को मिलेगी। इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

मां का प्यार और जिम्मेदारी असल जीवन और टीवी पर एक जैसा : पद्मिनी कोल्हापुरी

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी ने मातृत्व की अहमियत के बारे में बात की। उन्होंने अपनी असली जिंदगी में मां होने के अनुभव को टीवी शो 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजमाता के किरदार से जोड़ा। उन्होंने बताया कि मां का प्यार और जिम्मेदारी असली जीवन और टीवी के किरदार दोनों में एक जैसा है। पद्मिनी ने अपने बेटे प्रियांक के साथ रिश्ते के बारे में बात करते हुए बताया कि भले ही उनका बेटा अब बड़ा हो गया है, लेकिन मां होने का प्यार और भावनाएं पहले की तरह ही गहरी और मजबूत हैं। उन्होंने कहा, ''राजमाता का किरदार निभाना भावनात्मक और खास अनुभव रहा। मेरे किरदार को राजसत्ता की जिम्मेदारी और अपने बच्चे की ममता दोनों को साथ-साथ निभाना पड़ रहा है।''

उन्होंने कहा, ''जब मैं स्क्रीन पर राजमाता का किरदार निभाती हूं, तो मुझे असली जीवन में मां होने का अनुभव याद आता है। अपनी संतान की रक्षा करना, प्यार करना, त्याग करना, ये सभी भावनाएं मां के लिए बेहद खास होती हैं। भले ही उनका बेटा अब बड़ा हो गया है, लेकिन ये भावनाएं खत्म नहीं होतीं, बल्कि और बढ़ती जाती हैं। यह किरदार मेरे बेटे के बचपन की याद दिलाता है, जब मैं उसकी देखभाल करती थी, उसे समझाती थी। इस किरदार ने मुझे अपने मां बनने के सफर से और भी करीब जोड़ दिया है। राजमाता की ताकत प्यार और कोमलता में है, और यही हर मां की पहचान होती है।'' बता दें कि पद्मिनी कोल्हापुरे 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' के जरिए 11 साल बाद टीवी पर बड़ी वापसी कर रही हैं। अपनी वापसी को लेकर उन्होंने अपने बयान में कहा था कि टीवी पर लौटकर वह बेहद खुश हैं और राजमाता के किरदार को निभाने के लिए उत्सुक हैं।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

गुरुवार को सुबह गदग नगरपालिका की सीमा में आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी व अन्य सहयोगी संतों ने प्रवेश किया। इस मौके पर जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि हम कुछ लेने नहीं, बल्कि सद्विचारों का उपहार देने आए हैं। जैनाचार्य ने बताया कि भारत ऋषि और कृषि परंपरा की पवित्र भूमि है।

‘मातृछाया’ ने 50 जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई की फीस का भार उठाया, दिया अर्थ सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ‘मातृछाया’ जैन महिला संगठन की सदस्याओं ने कोरमंगला के एलआर नगर स्थित झुग्गी बस्तियों में रह रहे जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा और देखभाल के लिए समर्पित संस्था ग्लोबल कंसर्न इंडिया’ का दौरा किया तथा 50 जरूरतमंद बच्चों की स्कूल फीस हेतु सहयोग राशि का चेक संस्था को प्रदान किया। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि इस स्लम इलाके में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे हैं, जो आर्थिक स्थिति की कमजोरी के कारण स्कूल नहीं जा पा रहे, ऐसे बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए ‘ग्लोबल कंसर्न इंडिया’ अतुलनीय कार्य कर रहा है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि मातृछाया’ संगठन सदैव समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहा है। सचिव रेशमा बड़ोला ने बताया कि ग्लोबल कंसर्न्स संस्था जरूरतमंद बच्चों को स्कूल फीस, यूनिफॉर्म, और शिक्षण सामग्री प्रदान करने में सहायता करती है।

ग्लोबल कंसर्न इंडिया के अध्यक्ष नारायण अड़िगे ने ’मातृछाया’ के सेवा कार्यों की सराहना की। शिक्षा संयोजक जीना ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर मातृछाया की उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना, कोषाध्यक्ष लीला भंसाली, संस्थापिका निर्मला दांतेवाड़िया, मीना सोलंकी, त्रिशला दांतेवाड़िया, गीता संचेती, रीता जैन, सुनीता राठौड़, लीलादेवी दांतेवाड़िया आदि अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं।

ब्यावर युवा शाखा का बेंगलूरु ‘एक्स्पो एंड ट्रेड शो’ कल से

अनेक गणमान्य अतिथि व व्यापारी होंगे उपस्थित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा शनिवार और रविवार को बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो का आयोजन वीवी पुरम महावीर धर्मशाला में किया जा रहा है। एक्सपो में अनेकों प्रकार के उत्पादों की वैराइटी के साथ कपड़ा, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियाँ, कॉस्मेटिक्स, रियल एस्टेट, फैशन सामग्री व खानपान के स्टॉल लगाए जाएंगे। दोपहर और शाम के सत्र में एक्सपो में उपस्थित जनों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम और जादूगर शो का भी आयोजन किया जाएगा।

युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि इस एक्सपो की समस्त स्टालें बुक हो चुकी है। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि इस प्रदर्शनी में अतिथि के रूप में बेंगलूरु दक्षिण संसदीय क्षेत्र के सांसद तेजस्वी सूर्या, चिकपेट विधानसभा क्षेत्र के विधायक उदय गरुड़ाचार, बेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह आदि को आमंत्रित किया गया है। एक्सपो के मुख्य प्रायोजक वैभव ग्रुप के दिलीप कुमार पंकज बालर, सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वेलरी के तनसुखराज जवेरीलाल गुलेच्छा, पैसोलाइट इलेक्ट्रिक के गणपतराज छाजेड़, मासकॉट फैब्रिक्स के बाबूलाल गांधी और गिफ्ट प्रायोजक मयन डायमंड्स के रतनचंद श्रीश्रीमाल के साथ जैन कॉन्फ्रेंस, चिकपेट आदिनाथ ट्रस्ट, श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी, तेरापंथ सभा, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, अन्य व्यापारिक एसोसिएशन व संघ संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित होंगे। एक्सपो के संयोजक प्रतीक गादिया, अरिहन्त छाजेड़, कुणाल मरलेचा, सुनील भण्डारी, तकनीकी टीम के महावीर गुगलिया, भरत कोठारी के साथ युवा शाखा और लेडीज विंग के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं।

साधु-संत धरा पर भगवान के जीवंत प्रतिनिधि हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

जैनाचार्य का हुआ गदग में नगर प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। गुरुवार को सुबह गदग नगरपालिका की सीमा में आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी व अन्य सहयोगी संतों ने प्रवेश किया। इस मौके पर जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि हम कुछ लेने नहीं, बल्कि सद्विचारों का उपहार देने आए हैं। जैनाचार्य ने बताया कि भारत ऋषि और कृषि परंपरा की पवित्र भूमि है। यहां भोग-विलास की बातों को समाज ने कभी महत्व नहीं दिया। यहां हमेशा योग और धर्म-आध्यात्म की अनुगूंज जीवंत रही है। यही कारण है कि भारत समग्र विश्व को मार्गदर्शन देता था। लोग यहां कुछ सीखने आते थे, भारतीय मनुष्य कहीं बाहर नहीं जाता था। यदि कभी कोई भारतीय विदेश जाता था, तो वहां कुछ अच्छा देने और उनका उद्धार करने जाता था। भारत के डीएनए की यह विशिष्टता रही है। हम यह बतलाने और कुछ अच्छा सिखलाने आए हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि साधु-संत इस धरा पर भगवान के जीवंत प्रतिनिधि हैं। भगवान से उनकी तुलना तो नहीं होती, लेकिन इस कलयुग में भी वे भगवान के अंश और वंश हैं। यदि प्रमाणिकता पूर्वक निरीक्षण करें तो हम पाएंगे कि त्यागी, योगी, साधु-संतों जैसा श्रेष्ठ-पवित्र जीवन कोई नहीं जीता।

संसार में सर्वत्र ऐसा जीवन दुर्लभ है। साधु-संतों की बराबरी करना सरल नहीं है, जो अपना घर-बार छोड़कर संन्यास ग्रहण करते हैं, पैदल चलते हैं, निस्पृह जीवनयापन करते हैं, निर्धारित समय सीमित सात्विक भोजन ही ग्रहण करते हैं, कंचन कामिनी के वे परित्यागी होते हैं, केशलुंचन करवाते हैं, अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के रूप में पांच महाव्रतों का परिपालन करते हैं और प्रसन्नता पूर्वक भूख, प्यास, गर्मी, सर्दी आदि कष्ट सहते हैं। कोई माने या न माने लेकिन यह सच है कि यह पृथ्वी भोग-विलास, हिंसा और पाप के बलबूते पर नहीं, बल्कि योग साधक साधु-संतों के पुण्यप्रताप से टिकी है। भारतीय संस्कृति और साहित्य का यही उद्घोष है। इसी सात्विक साधक परंपरा का निर्वाह करते हुए हम गदग और उसके आसपास के क्षेत्रों में धर्म और मानवता का संदेश देने आए हैं। नगर प्रवेश से पूर्व सीमा पर श्रमणगण ने ध्यान और मंत्रजाप किए और सबकी सुख-शांति और भलाई की कामना की गई। फिर शुभ मुहूर्त में नगर प्रवेश का विधान किया गया। कन्याओं और महिलाओं ने मंगल कलश और स्वस्तिक रचना कर श्रमणगण का स्वागत किया। इस अवसर पर जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, दलीचंद कवाड़, हरीश शाह सहित अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

तेरापंथ सभा के तत्वावधान में ज्ञानशाला वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ सभा के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में शेषाद्रिपुरम ज्ञानशाला का आचार्य भिक्षु जन्मशताब्दी पर आधारित वार्षिक उत्सव सम्पन्न हुआ। इस मौके पर ज्ञानशाला के विद्यार्थियों ने आचार्य भिक्षु के जीवन सिद्धांतों और जैन संस्कृति पर आधारित भाषणों, नाट्य प्रस्तुतियों एवं गीत, नाटिकाओं के माध्यम से अपनी आस्था और संस्कारों की सुंदर झलक प्रस्तुत की। बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुनि श्री पुलकित कुमार जी ने कहा कि आज इस मंच से बच्चों की भिक्षु स्वामी के प्रति आस्था स्पष्ट झलक रही है। यह सब ज्ञानशाला में उनके (आचार्य भिक्षु) व्यक्तित्व निर्माण और सांस्कृतिक शिक्षण का परिणाम है। ज्ञानशाला केवल पठन-पाठन का केंद्र नहीं, अपितु नैतिक और आध्यात्मिक विकास की शाला भी है। मुनिश्री आदित्य कुमारजी ने गीत के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि इस सफलता में अभिभावकों का भी विशेष योगदान है, जो समय-समय पर बच्चों को भेजकर उनकी जागरूकता को सिद्ध करते हैं। इस विशेष आयोजन में बच्चों को सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति, अनुशासन, उभरता सितारा, सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति आदि विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। साथ ही प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन लता गादिया ने किया। शेषाद्रिपुरम ज्ञानशाला की संयोजिका भारती गादिया के साथ जोन संयोजिका चेतना वेदमुथा, बबीता चोपड़ा, पवनबाई संचेती, लता गांधी, मंजु गन्ना, सुनीता कोठारी उपस्थित थीं। क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया ने सभी का स्वागत किया। माणकचन्द संचेती ने शुभकामनाएं दी। मीनाक्षी बैद ने धन्यवाद दिया।

रविवार को तेरापंथ भवन गांधीनगर में होगा पुलकितमुनि का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में रविवार को सुबह 8.30 बजे चित्रकला परिषद से मुनि डॉ पुलकित कुमारजी का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश तेरापंथ भवन में लगभग सुबह 9.21 बजे होगा। इस आयोजन में अतिथि के रूप में कर्नाटक के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव को आमंत्रित किया गया। सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष गौतमचन्द मुथा, रमेश बाबेल आदि ने गुंडूराव से मुलाकात कर उन्हें रविवार के चातुर्मास प्रवेश व पैलेस ग्राउंड पर आयोजित धम्म जागरण कार्यक्रम की जानकारी दी। मंत्री गुंडूराव ने कार्यक्रम में शामिल होने की स्वीकृति प्रदान की।

महिला व्यवसाय रेफरल समूह जीतो जेबीएनवी कनेक्ट की बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नॉर्थ कार्यालय में जेबीएनवी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथे कार्यकाल की बैठक की अध्यक्षता बुधवार को लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने की। उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी व सचिव रक्षा छाजेड़ की विशेष उपस्थिति थी। बैठक की मुख्य वक्ता कॉस्मेटिक साइंटिस्ट शालू चावला ने आधुनिक विज्ञान को प्राचीन भारतीय ज्ञान से जोड़कर सौंदर्य एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार की प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद न केवल सौंदर्य का माध्यम हैं, बल्कि नैतिकता, उपचार और आत्मशक्ति का प्रतीक भी हैं।

परिधि भंडारी ने भावनात्मक सुधार व व्यवहारिक सेवा के विषय पर प्रेरणास्पद प्रस्तुति देते हुए भावनात्मक बुद्धिमत्ता और योगिक दृष्टिकोण के माध्यम से जीवन में स्पष्टता, संतुलन और आत्मविश्वास लाने के उपाय साझा किए। कार्यक्रम का संचालन रेफरल प्रमुख मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया एवं रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने किया। नई सदस्याओं का स्वागत किया गया। पायल वर्धमान को उनकी प्रभावशाली और सशक्त 30 सेकंड पिच प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पिच सम्मान, रंजना दोधिया को समूह में सर्वाधिक रेफरल प्रदान करने वाली तथा पारंपरिक परिधान में सुंदरता और गरिमा का अद्भुत संगम प्रस्तुत करने के लिए रेखा जैन को सर्वश्रेष्ठ परिधान सम्मान से सम्मानित किया गया। बैठक में कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता, संयुक्त सचिव सुमन रांका सहित कुल 45 सदस्याएं उपस्थित थीं।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मानव सेवा समिति के सदस्यों ने जून व जुलाई माह में हेब्बगुड़ी, उरदीगेरे, मायडाला, सीताकालु, कोरटेकेरे व राजाजीनगर के आसपास के 70 सरकारी स्कूलों के 6600 जरूरतमंद विद्यार्थियों को 20 हजार अभ्यास पुस्तिकाएं व अन्य पाठ्य सामग्री, चॉकलेट का वितरण किया। संस्था के इस 12वें पाठ्य सामग्री वितरण कार्यक्रम में स्कूल इंस्पेक्टर वासु व संबंधित स्कूलों के प्राचार्यों ने व्यवस्था संभाली।

रेल राज्य मंत्री वी. सोमण्णा ने तुमकुरु जिले में दो रोड ओवर ब्रिज का शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने गुरुवार को तुमकुरु जिले के गुब्बी तालुक में दो रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का शिलान्यास किया। ये रोड ओवर ब्रिज गुब्बी तालुक में लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 56 (बेंचगेरे गेट) और लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 59 (नंदीहल्ली गेट) के स्थान पर बनाए जाएंगे। ये नए रोड ओवर ब्रिज सड़क और रेल सुरक्षा में सुधार करेंगे, प्रतीक्षा समय को कम करेंगे और क्षेत्र के लोगों के लिए यात्रा को आसान बनाएंगे।

मंत्री सोमन्ना ने गुब्बी तालुक के कल्लीपल्या गेट पर एक रोड अंडर ब्रिज के निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सोमन्ना ने कहा कि सरकार परिवहन अवसंरचना में सुधार के लिए काम कर रही है और ये परियोजनाएं क्षेत्र में सभी के लिए बेहतर और सुरक्षित यात्रा की दिशा में एक कदम हैं।

मंत्री ने कहा कि रेलवे के किराए में मामूली वृद्धि की गई है, साधारण श्रेणी में 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं की गई है। इस सरकार के तहत रेलवे में बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण और अवसंरचना विकास हो रहा है, जिसके लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है। अब हम 136 से अधिक मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनें चला रहे हैं। रेलवे लंबी दूरी के गंतव्यों के लिए अमृत भारत ट्रेनें भी चला रहा है। अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के तहत 2000 करोड़ रुपये की लागत से कर्नाटक के कई स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यात्रा को आसान बनाने और लेवल क्रॉसिंग पर प्रतीक्षा समय को खत्म करने के लिए बनाए जा रहे आरओबी और आरयूबी निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे हो जाएंगे। लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 56 (बेंचगेरे गेट) के बदले में रोड ओवर ब्रिज का निर्माण 36.71 करोड़ की अनुमानित लागत से किया जा रहा है, और एलसी नंबर 59 (नंदीहल्ली गेट) पर लगभग 36.29 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। इन परियोजनाओं से यातायात प्रवाह में सुधार और सुरक्षा में वृद्धि होने की उम्मीद है।

बसवराज होरट्टी ने विधान परिषद के सदस्य के रूप में 45 वर्ष पूर्ण किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से आठ बार निर्वाचित होकर विश्व कीर्तिमान स्थापित करने वाले विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने विधान परिषद के सदस्य के रूप में सफलतापूर्वक 45 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 30 जून 1980 को पहली बार विधान परिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेकर अपने संसदीय सफर की शुरुआत करने वाले बसवराज होरट्टी ने विधान परिषद के सदस्य के रूप में आधी सदी तक कार्य करते हुए शिक्षकों और जनता की सशक्त आवाज बनकर इतिहास रच दिया है। इस अवसर पर बेलगावी और बागलकोट से पहुंचे किसानों, राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे शिक्षकों और शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने बसवराज होराट्टी को सम्मानित किया और बधाई दी।

कर्नाटक राज्य महिला सरकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों और दर्जनों संगठनों के पदाधिकारियों ने बसवराज होरट्टी को सम्मानित करते हुए कहा कि वे बेदाग व्यक्ति हैं, जिन पर 5 दशकों के सार्वजनिक जीवन में एक भी दाग नहीं लगा है। अपने सीधे-सादे कार्यों और शब्दों के माध्यम से कर्नाटक की राजनीति में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले विरल लोकसेवक बसवराज होरट्टी को एक वीर नेता बताया जो 1980 से लेकर आज तक 45 वर्षों से लगातार अपनी सार्थक सेवा दे रहे हैं।

इन्फोसिस फाउंडेशन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 48 करोड़ रुपये देगा

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस की सीएसआर (कंपनी सामाजिक जिम्मेदारी) इकाई इन्फोसिस फाउंडेशन कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्रों में मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा के लिए बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को मजबूत करने को 48 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान देगा। इन्फोसिस फाउंडेशन ने बृहस्पतिवार को इसके लिए संयुक्त राष्ट्र से मान्यता प्राप्त संगठन प्रशांति बालमंदिर ट्रस्ट के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है।

यह साझेदारी श्री मधुसूदन साईं इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसआईएमएसआर) से संबद्ध श्री सत्य साईं सरला मेमोरियल अस्पताल को वंचित महिलाओं, शिशुओं और बच्चों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सहायता करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस पहल का उद्देश्य कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार करना है।

सूरतकल में दो बसों के बीच आमने-सामने की टक्कर

मंगलूरु। कर्नाटक में मंगलूरु से लगभग 60 किलोमीटर दूर सूरतकल में दो बसों के बीच आमने-सामने की टक्कर में 14 छात्रों सहित दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। इस हादसे में दोनों बसों के चालक भी घायल हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि हादसा उस वक्त हुआ जब एक बस चेल्यारु की ओर जा रही थी। कथित तौर पर विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बस ‘गलत साइड’ पर चल रही थी जिसके कारण दोनों बसों के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गयी। उन्होंने बताया कि घायलों में से चार यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। मंगलूरु उत्तर यातायात पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com